हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

आज संत की कबीर जयंती मनाई जाएगी

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, बुधवार, 11 जून 2025 | अंक 236/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

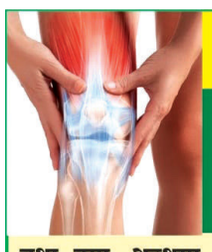

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप जोडे के दर्द से परेशान ही ?

•जोडों का दर्द • गठियावात • सन्धिशोध • सरवाइकल पेन पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

हत्यारे बोले थक गए, राजा को अब नहीं मारेंगे

सोनम ने 4 लाख से 20 लाख बढ़ा दी थी सुपारी की रकम

इंदौर.

राजा रघुवंशी हत्याकांड में एक के बाद एक खुलासे हो रहे हैं. यह घटना अब एक सुनियोजित और बेहद चौंकाने वाली सुपारी किलिंग बन चुकी है, जिसकी परतें मेघालय पुलिस ने 'ऑपरेशन हनीमून' के तहत खोलीं. हत्या की स्क्रिप्ट शादी के महज 10 दिन बाद ही लिख दी गई थी. अब इस मामले में एक और नया खुलासा हुआ है और हत्या के तार बेंगलुरु में जाकर जुड़ी है.

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बेंगलुरु में आरोपियों और राजा के बीच मुलाकात हुई थी, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कई बार मुलाकातें हुईं. आरोपियों और राजा के बीच बातचीत शुरू हो गई थी, क्योंकि वे सभी एक ही शहर के थे. इस बीच, सोनम ने आरोपियों को राजा की हत्या के लिए 4 लाख रुपये की सुपारी दी थी. लेकिन आरोपियों ने मना कर दिया था. बाद में सोनम ने ऑफर बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया, जिसके बाद आरोपियों ने हत्या को अंजाम दिया. सोनम ने आरोपियों की मदद से राजा के शव को खाई में फेंकने में भी मदद की थी. इंदौर के राजा रघुवंशी मर्डर मामले में पुलिस का एक्शन जारी है.

सोनम को मेघालय पुलिस पटना से कोलकाता लेकर पहुंची. फिर कोलकाता से सोनम को गुवाहाटी ले जाया जा रहा है. इसके बाद सोनम को सड़क के रास्ते से शिलांग ले जाया जाएगा. दरअसल, राजा और सोनम शादी के बाद हनीमून पर मेघालय घूमने गए थे, लेकिन इसके बाद दोनों अचानक कहीं से लापता हो गए. फिर राजा का शव मिला, लेकिन सोनम का कुछ अता-पता नहीं था. मगर मामले में नया मोड़ तब आया जब सोनम को गाजीपुर में ढाबे से गिरफ्तार किया गया.

शादी के तुरंत बाद ही मौत की साजिश

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी 29 साल के राजा रघुवंशी ने 11 मई 2025 को धूमधाम से सोनम से शादी की थी. शादी के तुरंत बाद ही उसे मौत के घाट उतारने का प्लान तैयार हो चुका था. उसकी नई नवेली पत्नी सोनम ने ही राज कुशवाहा के साथ मिलकर रची थी. साजिश के तहत यह कपल शिलॉन्ग पहुंचा था. 21 मई को शिलॉन्ग पहुंचने के बाद इस कपल ने 22 मई को चेरापूंजी में जाकर एक होमस्टे लिया. कपल के साथ ही हत्याकांड में संलिप्त अन्य आरोपियों ने भी वहां पर होमस्टे लिया. लेकिन, इस बात की बिल्कुल भी भनक राजा रघुवंशी को नहीं थी.

जैकेट पर मिले खून के निशान और बना सबूत

मेघालय पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने राजा को पकड़ लिया और विक्की नामक एक आरोपी ने धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया. राजा की हत्या के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए, लेकिन सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई. इसके बाद सोनम इंदौर पहुंची और राज कुशवाहा से संपर्क किया. फिर वह उत्तर प्रदेश पहुंची. जांच में पता चला कि सोनम ने आकाश को एक जैकेट दी थी, जिस पर खून के धब्बे मिले. यह जैकेट मौका-ए-वारदात से बरामद हुई थी. पुलिस के मुताबिक, राजा पर पहला वार विशाल ने किया था, जिसके बाद अन्य आरोपियों ने हमले किए.

'ऑपरेशन हनीमून' के जरिये जांच जारी

मेघालय पुलिस ने राजा रघुवंशी हत्याकांड के आरोपियों को पकड़ने के लिए एक विशेष ऑपरेशन चलाया, जिसका नाम 'ऑपरेशन हनीमून' रखा गया. पुलिस ने बताया कि यह मामला काफी जटिल था, इसलिए इसे एक ऑपरेशन के रूप में लिया गया. इस ऑपरेशन के तहत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उनसे पूछताछ जारी है.

बड़कागांव में डेकोरेशन और पटाखों की दुकान में भीषण आग

बड़कागांव.

हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र के मुख्य चौक में मंगलवार की दोपहर मधुबन डेकोरेशन के घर व दुकान में भीषण आग लग गयी. आग इतनी भयावह थी कि मधुबन डेकोरेशन से सटे राजेश गुप्ता और रोशन गुप्ता के दुकान तक आग की लपटें पहुंच गयी. इस अगलगी में 25 लाख रुपए की संपत्ति जल कर राख होने का अनुमान लगाया गया है. घटना आज दोपहर करीब 12 बजे की है. शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की बात कही जा रही है. मौके पर पहुंचे पत्रकारों ने बड़कागांव थाना को घटना की सूचना दी. एसडीपीओ पवन कुमार, थाना प्रभारी नेमधारी रजक के प्रयास से एनटीपीसी एवं त्रिवेणी सैनिक की अग्निशमन वाहन मौके पर पहुंची.

अग्निशमन कर्मी आग बुझाने में जुटे हुए हैं. खबर लिखे जाने तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है. इस भीषण आग की चपेट में आने से घर में रखे सजावट के समान और लाखों रुपये के पटाखे जलकर खाक हो गये. पटाखों में आग लगते ही जोरदार धमाका हुआ और घर का छत फट गया. आतिशबाजी वाले पटाखे आसमान में फुहारे छोड़ने लगे. इस दौरान पूरा चौक काले धुएं के साये से ढक गया. इधर आग लगने के कारण बड़कागांव चौक में गाड़ियों की लंबी कतार लग गयी. पूरा बड़कागांव चौक 3 घंटे तक अस्त-व्यस्त रहा. इस कारण जाम में कई स्कूली बच्चे भी घंटों फंसे रहें. इस भयावह परिस्थिति में भी सड़क पर अधिकतर लोग केवल फोटो और वीडियो बनाने में व्यस्त नजर आ रहे थे. केवल गिने-चुने कुछ लोग ही आग बुझाने का प्रयास कर रहे थे.

भारतीय नौसेना ने जलते जहाज से चीनी नागरिकों को बचाया

चीनी प्रवक्ता ने भारतीय नेवी की तारीफ की

नई दिल्ली.

केरल के अझिक्कल तट से 44 नॉटिकल मील दूर समुद्र में एक चीनी मालवाहक पोत एमवी वैन है 503 में विस्फोट और आग लगने की घटना के बाद चीन ने भारत को शुक्रिया कहा है। भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड ने धमाके के बाद फौरन रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम देते हुए दर्जनों जिंदगियां बचाईं। इस बचाव अभियान की अंतरराष्ट्रीय सराहना हो रही है। चीन के भारत स्थित दूतावास ने भी आधिकारिक तौर जारी करते हुए भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड का आभार जताया है। कोच्चि के तट पर जहाज में हुए विस्फोट के बाद भारत में चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने तत्काल बचाव अभियान के लिए भारतीय नौसेना को धन्यवाद दिया है। भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा है कि "9 जून को एमवी वान है 503 में केरल के अझिक्कल से 44 समुद्री मील दूर जहाज पर विस्फोट और आग लग गई।" केरल के अझिक्कल तट से 44 नॉटिकल मील दूर समुद्र में एक चीनी मालवाहक पोत एमवी वैन है 503 में विस्फोट और आग लगने की घटना के बाद चीन ने भारत को शुक्रिया कहा है। भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड ने धमाके के बाद फौरन रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम देते हुए दर्जनों जिंदगियां बचाईं।

इस बचाव अभियान की अंतरराष्ट्रीय सराहना हो रही है। कोच्चि के तट पर जहाज में हुए विस्फोट के बाद भारत में चीनी दूतावास के प्रवक्ता ने तत्काल बचाव अभियान के लिए भारतीय नौसेना को धन्यवाद दिया है। भारत में चीनी दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा है कि "9 जून को एमवी वान है 503 में केरल के अझिक्कल से 44 समुद्री मील दूर जहाज पर विस्फोट और आग लग गई।" एक कंटेनर शिप है जो दक्षिण एशियाई क्षेत्र से होकर गुजर रहा था। यह पोत सिंगापुर से संयुक्त अरब अमीरात की ओर जा रहा था और अरेबियन सी में प्रवेश कर चुका था, तभी इसमें भीतर से एक विस्फोट हुआ जिसके बाद तेज आग लग गई। विस्फोट का कारण फिलहाल साफ नहीं है लेकिन समुद्री सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि यह जहाज के इंजन रूम में हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही, भारतीय नौसेना के आईएनएस शार्दुल और कोस्ट गार्ड के विमानों को तत्काल रवाना किया गया।

11 सालों में कई ऐतिहासिक काम हुए: सीएम योगी

लखनऊ.

केंद्र में भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार 11 वर्ष पूरे होने पर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रेस वार्ता की. सीएम ने कहा कि बीते 11 वर्षों में कई ऐतिहासिक काम हुए. सीएम ने कहा कि वैश्विक मंच पर देश की छवि मजबूत हुई. एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना साकार हुई. मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 वर्ष का यह कार्यकाल एक विकसित भारत एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के स्वर्णिम काल के लिए जाने जाएंगे. इन 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक स्तर पर भारत के विश्वास को सुदृढ़ करते हुए, भारत को न केवल वैश्विक पहचान दी है बल्कि स्वयं को खपाकर 140 करोड़ भारतीयों को भी एक विश्वास का प्रतीक बनाया है.

उन्होंने कहा कि आजादी के 65 वर्षों में कांग्रेस नेतृत्व की अस्थिर सरकारों के कारण आम जनता का विश्वास टूटा था, जो विश्वास खंडित हुआ था, वैश्विक मंच पर जो भारत की छवि तार तार हुई थी, पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में तुष्टिकरण की राजनीति से मुक्त, एक भारत श्रेष्ठ भारत को साकार करने वाली, एक ऐसा नेतृत्व हमें मिला है, जिन्होंने पूरे भारत को विश्वास का प्रतीक एक सुदृढ़ नींव रखते हुए अगले 25 वर्षों की योजना भी सामने रखी है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्थिक मोर्चे पर भारत ने नई पहचान बनाई है. कार्यप्रणाली की पारदर्शिता और जनता के प्रति जवाबदेही शासन के प्रति नई पहचान बनी है, बल्कि यह विरासत और विकास में समन्वय करते हुए, आज भारत को नई पहचान दिलाई है.

दिल्ली की मंगोलपुरी स्थित रबर फैक्टरी में लगी आग

नई दिल्ली. मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र के टी-5 स्थित रबर की शीट बनाने वाली तीन मंजिला फैक्ट्री में मंगलवार की सुबह भीषण आग लग गई। आग की जानकारी मिलते ही फैक्ट्री के अंदर मौजूद सभी कर्मचारी बाहर आ गए। तुरंत इसकी जानकारी पुलिस और दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही मौके पर एक के बाद एक कुल 11 दमकल की गाड़ियों ने करीब छह घंटे बाद आग पर काबू पाया। वहीं, कूलिंग का कार्य देर शाम तक चलता रहा। दमकल विभाग के मुताबिक मंगलवार की सुबह करीब 10:36 बजे मंगोलपुरी फेज-1 स्थित टी-5 के 246 नंबर फैक्ट्री में आग लगने की जानकारी मिली थी। पहले चार गाड़ियों को रवाना किया गया। लेकिन आग बड़ी होने के कारण सात गाड़ियां और भेजी गईं। करीब छह घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। जानकारी के मुताबिक इस फैक्ट्री में जूते के सोल बनाने वाली रबर शीट बनाने का काम होता था। भूतल, से तीसरी मंजिल तक इसका ही काम होता था। सुबह यहां सभी मंजिलों पर कर्मचारी काम कर रहे थे। तभी अचानक से आग लगी। आग पहली मंजिल से दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल तक फैल गई। फैक्ट्री में प्लास्टिक शीट से आग काफी तेजी से फैली। धुंआ अधिक उठने के कारण आसपास स्थित फैक्ट्री के कर्मचारी भी बाहर आ गए।

दो बाइक सवार युवकों को अज्ञात बदमाशों ने मारी गोली, मौत

पटना. पटना में अपराधियों का हौसला बढ़ गया है। सोमवार को एक नर्स और उसकी बेटी की हत्या हुई। इसके बाद मंगलवार सुबह विक्रम में अज्ञात बाइक सवार दो लोगों को गोली मार दी गई। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर लालू प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नीतीश के राज में क्राइम बहुत बढ़ गया है। दरअसल, बिक्रम थाना क्षेत्र में मंझौली-सिंघाड़ा सड़क मार्ग पर अपराधियों ने बाइक सवार दो युवकों को गोलियों से छलनी कर दिया। इस घटना में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी के मिलने पर बिक्रम थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। पुलिस ने इसकी सूचना पटना एफएसएल टीम को भी दे दी है। बताया गया है कि सुबह में ग्रामीण टहलने निकले, तो उनकी नजर सड़क किनारे खड़ी एक बाइक पर पड़ी। किसी अनहोनी की आशंका पर इधर-उधर देखने पर दो युवकों की लाश खून से लथपथ मिली। लालू प्रसाद यादव ने बढ़ते अपराध पर नीतीश कुमार को घेरा है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट किया है।

7वीं मंजिल से कूदा परिवार, पिता और दो बच्चों की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली. दिल्ली के द्वारका सेक्टर-13 में मंगलवार की सुबह एक इमारत में भीषण आग लग गई. आग इमारत की सातवीं मंजिल पर लगी थी. आग की लपेटों से बचने के लिए लोगों में अफरा-तफरी मच गई. लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे. कई लोग तो अपनी जान बचाने के लिए बिल्डिंग से कूदते हुए नजर आए. बताया जा रहा है कि दमकलकर्मियों की टीम 10 बजे मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया. लेकिन बचावकर्मियों के आने से पहले ही कई लोग इमारत से कूद चुके थे. जिन्हें तुरंत अस्पताल भर्ती करवाया गया.

खबर आ रही है कि इमारत से कूदने वाले लोगों में एक व्यक्ति और उसके दो बच्चों की इलाज के दौरान मौत हो गई है. मृतक की पहचान यश यादव (35 वर्ष) के रूप में हुई है. इसके अलावा दिल्ली के मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र फेज 1 में स्थित एक रबर फैक्ट्री में भी आज आग लग गई. आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया. फायर ऑफिसर सरबजीत ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई है. हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है. पुलिस और दमकल विभाग की टीमें आग लगने के कारणों की जांच में जुटी हुई हैं. आग लगने की घटना के दौरान आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई.

इंडिया-म्यांमार बॉर्डर पर महसूस हुए भूकंप के झटके

नई दिल्ली. पिछले करीब 36 घंटों में भारत-म्यांमार सीमा पर हल्के से मध्यम तीव्रता वाले 6 भूकंप महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.8 से 4.5 के बीच मापी गई। मंगलवार को सुबह 11.21 बजे आखिरी भूकंप दर्ज किया गया, जिसकी तीव्रता 4.3 थी और इसे मणिपुर के पास महसूस किया गया। भारत-म्यांमार सीमा भूकंप के लिए अत्यधिक संवेदनशील है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह क्षेत्र भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराव की विशेषता वाले एक जटिल टेक्टोनिक क्षेत्र में स्थित है। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में सक्रिय सबडक्शन ज़ोन और म्यांमार में प्रमुख सागाइंग फॉल्ट दोनों ही इस क्षेत्र की भूकंपीय गतिविधि में योगदान करते हैं।

ऑस्ट्रिया के ग्राज स्कूल में गोलीबारी में 11 की मौत

ब्रुसेल्स.

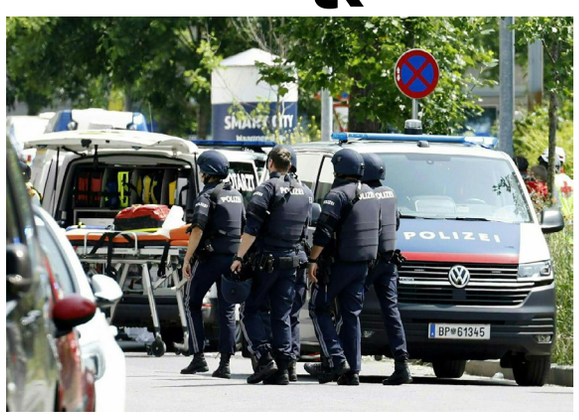

यूरोपीय देश ऑस्ट्रिया से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां ग्राज शहर के एक स्कूल में मंगलवार, 10 जून को भीषण गोलीबारी हुई है, जिसमें एक छात्र समेत अब तक 11 लोगों की मौत की खबर है। इसके अलावा कई अन्य लोगों के बुरी तरह से घायल होने की भी खबर है। इतनी सारी हत्याएं करने के बाद हमलावर ने भी आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि हमलावर एक छात्र ही था। पहले उसने स्कूल के दो कक्षाओं में अंधाधुन गोली चलाई और फिर खुद को शौचालय में बंद कर लिया। वहीं से उसका मृत शव बरामद किया गया। हालांकि, हमलावर के द्वारा इस गोलीबारी की वजह क्या थी, ये अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। लेकिन, एक दावा ये भी किया जा रहा है कि संभवत: बुलिंग के कारण छात्र ने इस वारदात को अंजाम दिया हो। राष्ट्रीय प्रसारक ओआरएफ समेत ऑस्ट्रियाई स्टेट मीडिया का दावा है कि मरने वालों के अतिरिक्त इस हमले में छात्र और शिक्षकों समेत कई और लोग बुरी तरह से घायल हुए हैं। पुलिस का कहना है कि ऑस्ट्रिया की राजधानी में ड्रेयर्सचुएत्जेनासे नामक एक सड़क पर एक ऑपरेशन चल रहा था। पुलिस ने इमारत को खाली करवा लिया है और उसकी तलाशी ली जा रही है। बहरहाल पुलिस ने छात्रों को उनके माता-पिता को सौंप दिया है। इसके अलावा जो लोग बुरी तरह से घायल हैं, उन सभी को हॉस्पिटल में एडमिट किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। खास बात ये है कि ऑस्ट्रिया में ये गोलीबारी 20 जून 2015 को ग्राज में ही हुई गोलीबारी की वर्षगांठ से 10 दिन पहले हुई है। बहरहाल, पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

स्थानीय मीडिया और पुलिस की जानकारी, रॉयटर्स के मुताबिक,

हमलावर छात्र होने की आशंका

❍ प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमलावर खुद भी उसी स्कूल का छात्र था। उसने दो कक्षाओं में अंधाधुंध फायरिंग की और बाद में खुद को शौचालय में बंद कर लिया, जहां उसका शव बरामद किया गया। गोलीबारी के पीछे की मंशा अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है, हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में यह आशंका जताई जा रही है कि यह हमला संभवतः लंबे समय से हो रही बुलिंग (दुर्व्यवहार) का परिणाम हो सकता है।

इलाज जारी, जांच में जुटी पुलिस

❍ घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। गौरतलब है कि यह भयावह घटना ग्राज में 20 जून 2015 को हुई गोलीबारी की वर्षगांठ से महज दस दिन पहले घटी है। फिलहाल, पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

ऑस्ट्रियाई स्टेट मीडिया और राष्ट्रीय प्रसारक ओआरएफ ने बताया है कि इस हमले में मृतकों के अलावा शिक्षक और छात्र समेत कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस का कहना है कि यह घटना ड्रेयर्सचुएत्जेनासे नामक एक सड़क पर स्थित स्कूल में हुई। घटनास्थल पर तुरंत ऑपरेशन चलाया गया, स्कूल परिसर को खाली करवा कर सघन तलाशी ली गई है। पुलिस ने सभी छात्रों को सुरक्षित उनके माता-पिता को सौंप दिया है।

गोल्ड को पीछे छोड़ चांदी ने बनाया रिकॉर्ड

वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर

नई दिल्ली.

बीते कुछ दिनों से गोल्ड की कीमतों में उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है. फिर चाहे वो दिल्ली के सर्राफा बाजार में हो या फिर देश के वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर. वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है. खास बात तो ये है कि सोमवार को चांदी के दाम रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गए हैं. जहां दिल्ली में गोल्ड के दाम 1.08 लाख रुपए को पार कर गए हैं. वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 1.06 लाख रुपए के पीक पर पहुंच गए. हैं. जानकारों की मानें तो चांदी की कीमतों में और भी ज्यादा तेजी देखने को मिल सकती है. इसका अहम कारण चांदी की बढ़ती इंडस्ट्रीयल डिमांड है. ईवी और सोलर सेक्टर की ओर से चांदी की डिमांड में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है. वहीं दूसरी ओर जियो पॉलिटिकल टेंशन ने भी चांदी की कीमतों में इजाफा करने में अहम योगदान दिया है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर चांदी के दाम दिल्ली और वायदा बाजार में कितने हो गए हैं.

दिल्ली में चांदी के दाम रिकॉर्ड लेवल पर

❑ अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार देश की राजधानी दिल्ली में चांदी की कीमत 1,000 रुपए बढ़कर 1,08,100 रुपए प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई. शनिवार को चांदी 1,07,100 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रही. इससे पहले, शुक्रवार को सफेद धातु 3,000 रुपए बढ़कर 1,07,100 रुपए प्रति किलोग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी. इसका मतलब है कि चांदी के दाम में दो दिनों में 4 हजार रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है.

वहीं दूसरी ओर सोमवार को 99.9 फीसदी प्योरिटी वाला गोल्ड 280 रुपये गिरकर 97,780 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया. शनिवार को कीमती धातु 1,630 रुपए गिरकर 98,060 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई थी. 99.5 फीसदी प्योरिटी वाला गोल्ड 250 रुपए की गिरावट के साथ 97,350 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई. पिछले बाजार बंद के समय यह 1,500 रुपए की गिरावट के साथ 97,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई थी. वैश्विक स्तर पर हाजिर सोना मामूली बढ़त के साथ 3,312.84 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर चांदी 0.9 प्रतिशत बढ़कर 36.30 डॉलर प्रति औंस हो गई. जानकारों की मानें तो सोमवार को मिश्रित संकेतों के बीच सोना अपनी सीमा के निचले छोर पर स्थिर रहा. अमेरिका और चीन के बीच वार्ता ने उम्मीद जगाई है कि दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं विभिन्न विवादों पर प्रगति कर सकती हैं, जिससे सुरक्षित ठिकानों की मांग कम हो सकती है.

धान की फसल को स्टेम बोरर्स से बचाएगा 'बीकोटा'

बेयर का नया इनोवेशन, किसानों को मिलेगा स्थायी लाभ

गोंदिया.

कृषि व स्वास्थ्य क्षेत्र की अग्रणी वैश्विक कंपनी बेयर ने धान की फसल में स्टेम बोरर्स (तना छेदक कीट) से सुरक्षा प्रदान करने के लिए नया उत्पाद 'बीकोटा' लॉन्च किया है। यह उत्पाद धान उत्पादक किसानों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है और जून 2025 से देश के प्रमुख धान उत्पादक राज्यों में उपलब्ध होगा।
बीकोटा बेयर की अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित है, जो इन कीटों का आहार तुरंत रोक देती है और लंबे समय तक फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। इसके प्रयोग से न केवल उपज में वृद्धि होती है, बल्कि जड़ों और पौधों के सम्पूर्ण विकास में भी सहायता मिलती है। यह बदलते मौसम में भी प्रभावी ढंग से काम करता है। पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना। लॉन्चिंग के मौके पर मोहन बाबू, क्लस्टर कमर्शियल लीड (भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका - क्रॉप साइंस डिवीजन, बेयर) ने कहा:बेयर किसानों के जीवन को आसान और उपज को बेहतर बनाने के लिए इनोवेशन पर काम कर रहा है। बीकोटा के माध्यम से हम चाहते हैं कि किसान निश्चिंत होकर खेती करें और उनकी आमदनी बढ़े। बीकोटा एक ग्रेन्युलर फॉर्मूलेशन में आता है, जिससे इसका छिड़काव आसान हो जाता है। यह पर्यावरण के अनुकूल है और फायदेमंद कीटों को नुकसान नहीं पहुँचाता, जिससे यह इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट के लिए उपयुक्त बनता है।

घर बनाना हो सकता है महंगा

> सीमेंट की कीमतों में हो सकती है बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली.

अगर आप घर बनाने की योजना बना रहे हैं, तो आपके लिए बुरी खबर है. सीमेंट की कीमतों में जल्द ही बढ़ोत्तरी हो सकती है, जिससे घर बनाने की लागत और महंगी हो सकती है. विशेषज्ञों का कहना है कि सीमेंट उद्योग में कीमतों में 5-6% की वृद्धि देखने को मिल सकती है, खासकर जून के महीने में सीमेंट की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है. एक्सपर्ट राकेश अरोड़ा के मुताबिक, पूर्वी और दक्षिणी भारत में सीमेंट कंपनियां कीमतें बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं. जनवरी से जून का समय सीमेंट उद्योग के लिए व्यस्त सीजन होता है, जब मांग और उत्पादन दोनों चरम पर होते हैं. इस दौरान कंपनियां कीमतें बढ़ाकर मानसून के कमजोर सीजन की तैयारी करती हैं. हालांकि, अप्रैल और मई में की गई कीमत वृद्धि का कुछ हिस्सा जून में वापस लिया गया, लेकिन जून में एक और बढ़ोतरी की कोशिश हो सकती है. उद्योग के लिए पहली तिमाही में 5-6% की मात्रा वृद्धि की उम्मीद है. लेकिन, बड़ी कंपनियां जैसे अल्ट्राटेक और अंबुजा, जो हाल में कई अधिग्रहणों के जरिए विस्तार कर रही हैं, उनके लिए यह वृद्धि मध्यम-से-उच्च किशोर अंकों में हो सकती है. उदाहरण के लिए, अल्ट्राटेक ने इंडिया सीमेंट्स और अंबुजा ने ओरिएंट, पेन्ना और सांघी जैसी कंपनियों का अधिग्रहण किया है. इससे इन कंपनियों की बिक्री बढ़ेगी, लेकिन उद्योग की समग्र वृद्धि 6-7% के आसपास रहने की संभावना है. हालांकि, पश्चिम बंगाल में प्रोत्साहन वापस लिए जाने से कुछ कंपनियों पर असर पड़ सकता है और इस मामले में कानूनी चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून की शुरुआत इस साल जल्दी होने से पहली तिमाही में मांग थोड़ी कम रह सकती है. फिर भी, कीमतों में बढ़ोतरी की कोशिशें जारी रहेंगी. इस बढ़ोत्तरी का सीधा असर आम लोगों पर पड़ेगा. क्योंकि सीमेंट निर्माण का मुख्य घटक है. घर बिल्डिंग या अन्य निर्माण कार्यों की लागत बढ़ने से आम आदमी का बजट प्रभावित हो सकता है. विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अगर आप जल्दी घर बनाने की सोच रहे हैं, तो कीमतें और बढ़ने से पहले सामग्री खरीद लें.

कंज्यूमर टेक्नोलॉजी का बढ़ता क्रेज

> अमेजन इंडिया पर प्रीमियम इलेक्ट्रॉनिक्स की जबरदस्त मांग

नागपुर.

स्मार्ट टेक्नोलॉजी को अपनाने में नागपुर देश के अग्रणी शहरों में शामिल होता जा रहा है। अमेज़न.इन के लेटेस्ट ट्रेंड्स के मुताबिक, नागपुर में प्रीमियम कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेस की बिक्री में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बड़े स्क्रीन वाले टीवी, हाई-कैपेसिटी रेफ्रिजरेटर्स, दो टन के एसी और एडवांस गैजेट्स की बढ़ती मांग दर्शाती है कि ग्राहक अब बेहतर टेक्नोलॉजी और स्मार्ट फीचर्स को प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रीमियम अप्लायंसेस और गैजेट्स की डिमांड में उछाल 30,000 रुपये से ऊपर के स्मार्टफोन्स की बिक्री में 1.6 गुना वृद्धि, लार्ज अप्लायंसेस में 1.5 गुना, रेफ्रिजरेटर्स में 1.65 गुना,2 टन के एसी की डिमांड से एयर कंडीशनर सेल में 1.4 गुना ग्रोथ डबल-डोर फ्रिज और हाई-कैपेसिटी वॉशिंग मशीनों की डिमांड भी तेजी से बढ़ी. नागपुर के लोग अब एंटरटेनमेंट के लिए बड़े स्क्रीन और एडवांस डिस्प्ले टेक्नोलॉजी वाले टीवी पसंद कर रहे हैं: स्मार्ट डिवाइसेज़ और पर्सनल टेक्नोलॉजी की ओर झुकाव शहर में लाइफस्टाइल टेक्नोलॉजी तेजी से लोकप्रिय हो रही है: टैबलेट्स की डिमांड 2025 में तेजी से बढ़ी. खासतौर पर वाई-फाई सक्षम और एंटी-ग्लेयर स्क्रीन वाले मॉडल्स, स्मार्टवॉच में जीपीएस, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन जैसे फीचर्स के साथ एडवांस मॉडल्स की मांग में इज़ाफा ज़ेबा खान, डायरेक्टर - कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, अमेजन इंडिया ने कहा:भारत के ग्राहक अब ऐसे प्रोडक्ट्स चाहते हैं जो ज़्यादा स्मार्ट, पर्सनल और किफायती हों। अमेज़न. इन पर हम यह सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें ढेरों विकल्प, सही कीमत और भरोसेमंद सेवा मिले ताकि वे निश्चिंत होकर खरीदारी करें।"

ओटीटी का 'क्रेज' खा गया 5,77000 लोगों की नौकरी

नई दिल्ली.

भारत का केबल टेलीविजन उद्योग पिछले सात वर्षों से अभूतपूर्व गिरावट का सामना कर रहा है, जिससे लाखों नौकरियों पर तलवार लटक गई है. सोमवार को जारी ऑल इंडिया डिजिटल केबल फेडरेशन (एआईडीसीएफ) और ईवाई इंडिया की संयुक्त रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ केबल टीवी डिस्ट्रीब्यूशन इन इंडिया' के अनुसार, 2018 से 2025 के बीच कुल 577,000 नौकरियों के खत्म होने का अनुमान है. इस गिरावट का मुख्य कारण पे-टीवी ग्राहकों की संख्या में भारी कमी है, जो 2018 में 151 मिलियन से घटकर 2024 में 111 मिलियन रह गया है, और 2030 तक इसके 71-81 मिलियन तक गिरने की आशंका है.
रिपोर्ट में इस संकट के लिए कई प्रमुख कारकों को जिम्मेदार ठहराया गया है, जिनमें चैनल की बढ़ती लागत, ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म जैसे नेटफ्लिक्स और अमेज़न प्राइम वीडियो से बढ़ती प्रतिस्पर्धा, और डीडी फ्री डिश जैसी मुफ्त, अनियमित सेवाओं की बढ़ती लोकप्रियता शामिल है. वित्तीय मोर्चे पर भी उद्योग को बड़ा झटका लगा है. चार डीटीएच खिलाड़ियों और दस प्रमुख केबल टीवी प्रदाताओं के संचयी राजस्व में 2018 से 16% से अधिक की गिरावट आई है, जबकि उनके मार्जिन में 29% की कमी दर्ज की गई है.
वित्त वर्ष 19 में उनका संयुक्त राजस्व 25,700 करोड़ रुपए था, जो वित्त वर्ष 24 में घटकर 21,500 करोड़ रुपए रह गया. स्थानीय केबल ऑपरेटर (एलसीओ) सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, सर्वेक्षण में शामिल 93% एलसीओ ने अपने ग्राहक आधार में गिरावट की सूचना दी है. लगभग आधे ने अपनी मासिक आय में कमी देखी है, जबकि एक तिहाई से अधिक ने 40% से अधिक ग्राहकों को खो दिया है. एलसीओ की प्रमुख शिकायत बढ़ती चैनल लागतों के बावजूद ग्राहक शुल्क बढ़ाने में उनकी असमर्थता है. पायरेसी भी एक बड़ी चुनौती है, जिससे मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र को सालाना 20,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान होता है.

तमन्ना भाटिया के साथ स्टाइल का तड़का!

नई दिल्ली.

भारत के अग्रणी फैशन डेस्टिनेशन लाइफ़स्टाइल ने अपनी बहुप्रतीक्षित एंड ऑफ़ सीज़न सेल का ऐलान कर दिया है। इस साल का यह शानदार फैशन सेलिब्रेशन बॉलीवुड स्टार तमन्ना भाटिया के ग्लैमर और आत्मविश्वास से सराबोर एक नए कैंपेन के साथ लॉन्च किया गया है, जो न केवल स्टाइल का जश्न मनाता है बल्कि फैशन को सभी के लिए सुलभ भी बनाता है। ग्राहकों को लाइफ़स्टाइल स्टोर्स और लाइफस्टाइलस्टोर्स. कॉम पर टॉप फैशन ब्रांड्स के लेटेस्ट ट्रेंड्स पर 50% तक की छूट मिल रही है। इसके साथ ही एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड धारकों को अतिरिक्त 10% की छूट भी दी जा रही है (नियम व शर्तें लागू)। तमन्ना भाटिया की मौजूदगी इस कैंपेन को खास बनाती है। अपने नेचुरल चार्म और अखिल भारतीय अपील के लिए मशहूर तमन्ना इस कैंपेन में अलग-अलग अवतारों में दिखाई देती हैं. ऑल-ब्लैक वेस्टर्न से लेकर क्लासी एथनिक वियर तक। फिल्म में उनका हर लुक मौजूदा फैशन ट्रेंड्स और आत्मविश्वास का आदर्श मेल दिखाता है। तमन्ना ने कहा:मेरे लिए फैशन सिर्फ ट्रेंड नहीं, बल्कि अपनी पहचान जाहिर करने का ज़रिया है।
लाइफस्टाइल की यह सेल लोगों को आत्मविश्वास के साथ खुद को व्यक्त करने की आज़ादी देती है। 300+ ब्रांड्स, अनगिनत स्टाइल हर किसी के लिए कुछ खास इस एंड ऑफ सीज़न सेल में ग्राहक खरीद सकते हैं:चाहे हो ट्रेंडी समर वियर, कैज़ुअल आउटफिट्स या फॉर्मल लुक्स हर वर्ग और उम्र के खरीदार के लिए कुछ न कुछ है। रितेश मिश्रा, अध्यक्ष और डिप्टी सीईओ, लाइफस्टाइल ने कहा:हमारा उद्देश्य है कि स्टाइलिश और किफायती फैशन को सभी के लिए उपलब्ध बनाया जाए। यह सेल सिर्फ एक छूट नहीं, बल्कि आत्म-प्रकाशन और आत्मविश्वास का उत्सव है।

दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनेगा भारत!

नई दिल्ली. भारत अभी दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है. देश की इकोनॉमी दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. जीडीपी ग्रोथ में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है. जीडीपी के आंकड़ों में तेजी आई है. मार्च तिमाही में देश की इकोनॉमी रिकॉर्ड 7.4 प्रतिशत बढ़ी है. इन दिनों ग्लोबल टेंशन का माहौल है. ऐसे में भी देश की इकोनॉमी के लिए अच्छे संकेत आना बढ़िया खबर है. आईएमएफ जैसी संस्थाओं ने यह अनुमान लगाया है कि भारत 2025 के आखिरी तक दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है. आइए हम आपको बताते हैं कि वह कौन से फैक्टर्स हैं, जो देश की इकोनॉमी को आने वाले समय में बूस्ट करने में मदद करेंगे. पूरी दुनिया इन दिनों युद्धों की चपेट में है. जब-जब ग्लोबली टेंशन का माहौल होता है. तब-तब उसका असर दुनिया भर के बाजारों, करेंसी और वहां की इकोनॉमी पर देखने को मिलता है. इन ग्लोबल टेंशन के बीच भी भारत ने अपनी जीडीपी ग्रोथ को बनाए रखा है. भारतीय रिजर्व बैंक ने भी साल 2025-26 के लिए देश जी इकोनॉमिक ग्रोथ के अनुमान को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है. भारत को अमेरिका के साथ एक्सटर्नल डील में सपोर्ट मिलने से भारतीय इकोनॉमी को भी सपोर्ट मिलने की उम्मीद है. हालांकि, कुछ फैक्टर्स ऐसे हैं, जो भारतीय जीडीपी को बूस्ट करने में अहम रोल निभाएंगे. ग्लोबल टेंशन के बीच जनवरी-मार्च तिमाही में जब प्राइवेट कंपनियों ने अपने हाथ खड़े कर दिए थे, तब सरकार ने अपने खर्च को बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को मजबूती दी थी. आईसीआरए की रिपोर्ट के मुताबिक, देश के पास अभी इतना बजट है कि वह आराम से 0.8 ट्रिलियन रुपये इस वित्त-वर्ष में खर्च कर सकती है, जिसके बाद कुल कैपेक्स बढ़कर 12 ट्रिलियन रुपये के करीब हो जाएगा. देश का खर्च बढ़ेगा तो जीडीपी को सपोर्ट मिलेगा. ग्रामीण खपत भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूत बनी रहेगी. बेहतर मानसून और बढ़ती कृषि आय से ग्रामीण मांग को बल मिलेगा. ट्रैक्टर और टू-व्हीलर की बिक्री बढ़ रही है. ग्रामीण मजदूरी में चार साल में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई है. यह सब फैक्टर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे सकते हैं.

आईसीआईसीआई और एचडीएफसी ने दिया लोगों को झटका

नई दिल्ली. भारत के दो बड़े प्राइवेट बैंकों ने ग्राहकों को तगड़ा झटका दिया है. आईसीआईसीआई और एचडीएफसी ने अपने रेट्स में कटौती का ऐलान किया है.निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने अपनी ऋण दरों एमसीएलआर में 10 आधार अंकों की कटौती की है, जो अब से लेकर 3 साल की अवधि के लिए 8.90% से 9.10% के बीच है. वहीं, दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक ने 3 करोड़ रुपये तक की जमा राशि पर ब्याज दरों में 10 से 35 आधार अंकों की कमी की है. इससा सीधा असर आपकी सेविंग्स पर पड़ेगा. आईसीआईसीआई बैंक अब 271 दिन से 1 साल की जमा पर 5.75% ब्याज दे रहा है.

आरबीआई का नया गोल्ड लोन नियम

नई दिल्ली.

घर में रखा सोना कई बार मुसीबत के वक्त बहुत काम आता है. इसी सोने के दम पर अगर आपको बैंक से लोन भी मिल सकता है और अब भारतीय रिजर्व बैंक इसी सोना गिरवी रखकर मिलने वाले गोल्ड लोन के नियमों में बदलाव करने जा रहा है. ये नए नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होने की उम्मीद है. ऐसे में ये जानना बहुत जरूरी है कि आम आदमी को इससे फायदा होगा या नुकसान?
भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल में जब मौद्रिक नीति समीक्षा पेश की, तो उस दौरान कहा कि गोल्ड लोन की ये नई गाइडलाइंस, असल में उसके अलग-अलग आदेशों को एक ही जगह पर लाने का काम है. वहीं ये बैंकों से लेकर नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) तक के गोल्ड लोन नियमों को एक जैसा बनाने का काम करेंगी.
आरबीआई का कहना है कि गोल्ड लोन से जुड़े नए नियमों में कुछ विशेष बातों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया गया है. ये गोल्ड लोन के सेक्टर में कर्ज लेने वाले का प्रोटेक्शन करेंगे. गोल्ड लोन सेक्टर में ट्रांसपरेंसी लाएंगे, साथ ही कर्ज देने वाले फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस की जवाबदेही तय करेंगे जैसे कि कमर्शियल बैंक की होती है. आरबीआई ने गोल्ड लोन बांटने वाली कंपनियों की भी जिम्मेदारियां तय की हैं.
जैसे लोन बंद होने के बाद उन्हें एक फिक्स टाइमफ्रेम में गिरवी रखा सोना या चांदी लौटाना होगा, नहीं तो मुआवजा देना होगा. अगर गिरवी रखा सोना खो जाता है या उसमें कोई टूट-फूट हो जाती है, तो उसकी जिम्मेदारी कंपनी की होगी और उसे उसका हर्जाना देना होगा. इतना ही नहीं, गोल्ड लोन के लिए जो डॉक्यूमेंट तैयार होंगे, उसमें ट्रांसपरेंट तरीके से सोने का कैरेट, उसकी मात्रा, अगर डायमंड या अन्य रत्न लगे हैं, तो उनका अलग से वजन सब कॉन्ट्रैक्ट में बताना होगा. वहीं अगर लोन चुकाने में चूक होती है, तो उसकी पूरी जानकारी, कर्जदार को नीलामी से पहले नोटिस इत्यादि सब पूरा करना होगा.

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र पद्मीनी विकली लॉटरी
सोडत दर मंगळवारी • तिकीट किंमत रु. 50/- • सोडत क्र. 23 • सोडत दिनांक 10/06/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख — PM-06 : 2480
उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/- — पहिल्या बक्षीसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी 2480
चंदन लॉटरी एजन्सिज - अमरावती, किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली, ओम गं गणपतेय नमः लॉटरी - पुणे
सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

बक्षिस						
दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	1125	1967	3055	3392	3975	5741
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1000	2714	3470	4218	5231	5737
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1394	1922	2995	6673	6713	6838
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	1126	1772	3416	3995	4989	6611

सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

		1818	2231	2580	3093	3403	3983	4451	4831	5211	5730	6262	6625
		1822	2242	2598	3121	3415	3997	4459	4838	5215	5733	6265	6644
1009	1288	1860	2244	2600	3139	3462	4003	4464	4858	5240	5739	6267	6649
1021	1292	1866	2249	2607	3153	3467	4004	4465	4863	5241	5750	6300	6661
1077	1300	1883	2252	2619	3173	3479	4040	4468	4878	5257	5753	6320	6668
1079	1312	1887	2262	2624	3178	3494	4042	4469	4887	5264	5754	6330	6671
1085	1349	1895	2272	2639	3201	3496	4083	4472	4925	5285	5756	6359	6681
1091	1351	1915	2275	2658	3203	3502	4085	4474	4941	5355	5758	6361	6692
1098	1391	1916	2278	2666	3233	3520	4094	4475	4942	5373	5769	6369	6706
1103	1396	1921	2287	2692	3234	3523	4099	4480	4944	5394	5783	6380	6727
1106	1414	1930	2289	2724	3236	3532	4101	4485	4956	5395	5795	6385	6737
1116	1442	1940	2296	2745	3240	3535	4119	4489	4959	5400	5800	6386	6745
1119	1449	1987	2299	2782	3264	3538	4146	4494	4988	5417	5805	6387	6747
1123	1454	2002	2304	2797	3265	3568	4147	4505	4998	5420	5808	6389	6748
1131	1471	2014	2305	2817	3274	3587	4185	4528	5007	5421	5837	6397	6759
1134	1484	2024	2310	2828	3276	3615	4190	4576	5025	5427	5849	6408	6780
1135	1496	2031	2322	2829	3300	3622	4196	4584	5037	5451	5857	6421	6796
1140	1513	2042	2328	2839	3303	3628	4214	4612	5040	5452	5893	6443	6816
1164	1527	2047	2333	2855	3308	3655	4222	4636	5050	5455	5937	6450	6818
1165	1531	2063	2337	2868	3313	3671	4232	4638	5063	5456	5954	6465	6854
1188	1581	2068	2362	2876	3319	3677	4244	4641	5077	5504	5958	6466	6860
1189	1617	2072	2365	2892	3320	3714	4249	4680	5080	5507	6006	6476	6867
1190	1619	2087	2367	2893	3325	3731	4284	4684	5082	5512	6008	6507	6886
1197	1621	2092	2371	2897	3327	3734	4297	4740	5091	5517	6050	6527	6887
1199	1670	2095	2410	2902	3329	3755	4316	4745	5094	5521	6069	6536	6893
1201	1672	2096	2427	2925	3339	3781	4341	4746	5095	5524	6080	6549	6900
1205	1675	2099	2445	2929	3344	3794	4359	4748	5100	5525	6087	6572	6937
1207	1701	2135	2465	2959	3347	3797	4374	4750	5110	5542	6098	6581	6948
1219	1707	2145	2482	2978	3360	3833	4378	4778	5116	5555	6133	6586	6954
1221	1711	2172	2490	3007	3377	3834	4402	4788	5133	5565	6137	6588	6955
1226	1719	2202	2504	3022	3378	3837	4406	4789	5155	5585	6181	6591	6966
1231	1778	2203	2510	3036	3379	3853	4410	4800	5157	5595	6188	6596	6969
1249	1785	2204	2512	3055	3380	3901	4415	4802	5184	5601	6202	6601	6980
1258	1815	2209	2530	3065	3385	3919	4429	4804	5200	5684	6215	6608	6984
1262	1816	2212	2539	3077	3386	3930	4431	4815	5206	5705	6220	6610	6995
1282	1817	2227	2571	3080	3402	3938	4439	4819	5208	5723	6244	6616	6996

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY
महाराष्ट्र तेजस्विनी मासिक सोडत — सोडत दिनांक 20/06/2025
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹50 लाख (रु. 25 लाखाची 2 बक्षिसे) • दुसरे बक्षिस ₹10 लाख (रु. 10 हजाराची 100 बक्षिसे) • तिसरे बक्षिस ₹5 लाख (रु. 5 हजाराची 100 बक्षिसे) • 200/-
पद्मीनी सोडत दिनांक 10/06/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagencymah : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल
महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
गणेशलक्ष्मी शुभ विकली लॉटरी — सोडत संध्या. 5:00
सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 23 • तिकीट किं. रु. 10/- • सोडत दिनांक 10/06/2025

पहिले बक्षिस रु. 10000/- — MG-05 : 4886
सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी
दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 5314 (कोमल एजन्सी, औरंगाबाद)
तिसरे बक्षिस रु. 1000/- — 1529, 5966, 6495, 7998, 8404

चौथे बक्षिस रु. 400/- (सर्व मालिकांसाठी)

400/-	1709	2701	3438	4539	5532	6294	6881	8268
1062	1737	2750	3453	4784	5570	6314	6914	8308
1137	1740	2892	3783	4818	5617	6344	7081	8330
1160	1837	3008	3838	4881	5619	6508	7369	8388
1295	1992	3049	4074	4940	5779	6600	7593	8466
1417	2186	3155	4126	5239	6062	6637	7768	8542
1453	2229	3273	4237	5365	6115	6661	7771	8850
1548	2252	3319	4241	5405	6202	6800	7928	8875
1667	2526	3357	4300	5441	6274	6868	8060	8928

महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी मासिक सोडत — सोडत दिनांक 13-06-2025 — जिंका फक्त 4 अंकावर ₹22 लाख • ₹3 लाख • ₹5 लाख
गणेशलक्ष्मी शुभ — सोडत दिनांक 10/06/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagency /princeagencypl /princeagencymah

निकाल
महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र सह्याद्री • महालक्ष्मी विकली लॉटरी • सोडत सायं. 4:30 वाजता
सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 23 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 10/06/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 10000/- — SM-05 : 3682 (श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई)
सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी
दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 1194
तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 2215, 5026 (महाराजा असोसिएट्स, इचलकरंजी), 5440 (पवार लॉटरी - ठाणे)

चौथे बक्षिस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1126	1718	3038	4106	4928
1173	1742	3268	4524	5250
1193	1830	3313	4569	5277
1237	2432	3481	4609	5506
1250	2496	3896	4664	5539
1274	2622	3907	4744	5678
1529	2628	3937	4784	5698
1644	3009	3960	4924	5885

महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी मासिक सोडत — जिंका फक्त 4 अंकावर ₹22 लाख • ₹3 लाख • ₹5 लाख
महाराष्ट्र सह्याद्री महालक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 10/06/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagency /princeagencypl /princeagencymah

निकाल
महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी मंगल विकली लॉटरी — सोडत सायं. 4:45
सोडत दर मंगळवार • सोडत क्रमांक 23 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 10/06/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	6451	2641	6199	9349	1400

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 8077, 8860
तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 2336, 2437, 2864, 6971, 7649
चौथे बक्षिस रु. 1000/- — 2560, 4338, 4479, 4492, 5253, 5416, 5671, 6483, 8764, 9838
पाचवे बक्षिस रु. 500/- — 1444, 1609, 1881, 2439, 3179, 3203, 3605, 5714, 7567, 8598

सहावे बक्षिस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

	1028	1891	2595	3688	4842	5538	6363	7074	7922	8860
0031	1127	1901	2614	3693	4880	5544	6384	7171	7950	8863
0033	1184	1996	2692	3708	4925	5564	6409	7271	8065	9036
0054	1186	2048	2720	3762	4944	5572	6563	7418	8188	9049
0076	1191	2097	2758	3820	4990	5616	6614	7423	8248	9057
0110	1216	2074	2889	4090	5101	5731	6607	7496	8274	9166
0354	1224	2123	2976	4154	5151	5758	6641	7525	8281	9168
0403	1269	2142	3019	4255	5153	5771	6690	7593	8287	9179
0428	1328	2152	3130	4272	5159	5864	6795	7635	8288	9245
0440	1377	2182	3243	4356	5162	5893	6840	7656	8401	9358
0586	1431	2227	3263	4406	5176	5959	6846	7668	8438	9509
0667	1453	2282	3301	4411	5205	5973	6863	7697	8466	9582
0818	1471	2427	3351	4439	5239	6126	6866	7706	8482	9696
0849	1501	2429	3361	4485	5262	6174	6893	7762	8504	9731
0854	1703	2452	3390	4497	5300	6196	6956	7844	8510	9846
0904	1728	2492	3485	4745	5387	6226	6976	7862	8809	9922
0908	1731	2527	3605	4819	5434	6261	6991	7866	8849	9981
0947	1777	2577	3653	4840	5505	6274	7036	7910	8849	9985

महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत — सोडत दिनांक 24/06/2025 — जिंका फक्त 4 अंकावर ₹14 लाख • ₹2.5 लाख • 20/-
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी मंगल — सोडत दिनांक 10/06/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : /princeagency /princeagencypl /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

कभी नहीं सोचा था पार्टी का विभाजन होगा

एनसीपी के स्थापना दिवस पर बोले शरद पवार

मुंबई.

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) मंगलवार 10 जून को पार्टी का स्थापना दिवस मना रही है. शरद पवार और अजित पवार ने अपने-अपने गुटों के साथ अलग-अलग स्थापना दिवस का जश्न मनाया. इस मौके पर शरद पवार ने साल 2023 में पार्टी में हुए विभाजन को लेकर कहा, कभी नहीं सोचा था कि पार्टी में विभाजन होगा. एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि 26 साल पहले उन्होंने जिस पार्टी की स्थापना की थी उसमें विभाजन होगा.

हालांकि, चुनौतियों के बावजूद इसे आगे ले जाने के लिए उन्होंने अपने संगठन के कार्यकर्ताओं की सराहना की. उन्होंने आगे कहा, कुछ लोग दूसरी विचारधाराओं के साथ चले गए और यह विभाजन बढ़ गया. मैं आज इसके बारे में बात नहीं करना चाहता, लेकिन जो लोग पार्टी के प्रति वफादार रहे, यह हमारी पार्टी की विचारधारा की वजह से था. उन्होंने आगामी निकाय चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाले चुनाव में एक अलग तस्वीर सामने आएगी.

पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, ये संगठन पिछले 26 सालों से शरद पवार साहब के अधीन काम कर रहा है. 26 सालों में सभी ने बहुत बड़ा योगदान दिया है. यह सब टीम वर्क है. जब उनसे अजित पवार को लेकर सवाल किया गया और पूछा गया कि क्या आज उन्हें दादा की याद आती है और क्या वो दादा को फोन करेंगी, तो इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें हर दिन दादा की याद आती है. सुप्रिया सुले ने आगे कहा कि मेरे 6 भाई हैं. मुझे उन सभी की याद आती है. क्या वो दादा को फोन करके शुभकामनाएं देंगी? उन्होंने कहा कि वो सभी से बात करती हैं.

पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना की

शरद पवार ने पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर कार्यकर्ताओं की सराहना की. उन्होंने कहा, पार्टी को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन आप निराश हुए बिना पार्टी को आगे ले जाते रहे. पार्टी में विभाजन हो गया, हमने कभी नहीं सोचा था कि पार्टी में विभाजन होगा लेकिन ऐसा हुआ.

जनता को फिर से डरा रहा कोविड-19

मुंबई. एक बार फिर से कोविड-19 लोगों को डरा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सोमवार को राज्य के तमाम जिलों में हुई जांचों में 65 नए मामले सामने आए हैं। इस नई संख्या के साथ ही 1 जनवरी से अभी तक सामने आए मामलों की कुल संख्या 1504 हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक नए मामलों में सबसे ज्यादा मामले पुणे में सामने आए हैं, जहां पर 29 लोग कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। वहीं मुंबई में 22, नागपुर में पांच, कोल्हापुर से चार, ठाणे से दो और सांगली, सतारा और परभणी से एक-एक केस सामने आया है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार महाराष्ट्र में 1 जनवरी के कुल मिलाकर 17,292 कोविड-19 की जांचे की गई थी। इसमें 1504 लोग कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं इसमें सबसे ज्यादा मामले मुंबई से हैं जहां पर कुल 687 मामले दर्ज किए गए हैं। इन केसों में सबसे ज्यादा उछाल मई के महीने में आया है। इस महीने कुल 681 केस सामने आए हैं। इतना ही नहीं 1 जनवरी 2025 से लेकर अब तक कोविड-19 से कुल मिलाकर 18 लोगों की मौत हो चुकी है, हालांकि मारे गए इन लोगों में से 17 लोगों को और भी गंभीर बीमारियां थीं।

छगन भुजबल फिर से नाराज?

> एनसीपी की सालगिरह से गायब रहने पर चर्चा

पुणे. अजीत पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार) की 26वीं वर्षगांठ पुणे के बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मनाई गई। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और उनकी पार्टी के कई नेता मौजूद थे। इस कार्यक्रम में बोलते हुए अजीत पवार ने राजनीति समेत कई विषयों पर टिप्पणी की। साथ ही, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी यानी महायुति में शामिल होने का फैसला कब और क्यों किया? इस पर भी अजीत पवार ने टिप्पणी की। इस बीच, मंत्री छगन भुजबल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वर्षगांठ कार्यक्रम से नदारद दिखे।

10,000 महिलाओं की नि:शुल्क कैंसर जांच!

मुंबई.

हिंदुजा फाउंडेशन और डॉ. माने मेडिकल फाउंडेशन ने शिरडी और राज्य के अन्य जिलों में वंचित महिलाओं के लिए एक निःशुल्क कैंसर जांच कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें लगभग 10,000 महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर की निःशुल्क जांच की जाएगी।

खास बात यह है कि इस जांच कार्यक्रम में जिन महिलाओं में कैंसर पाया जाएगा, उन्हें माने मेडिकल फाउंडेशन के माध्यम से निःशुल्क उपचार भी प्रदान किया जाएगा। ग्रामीण महाराष्ट्र में वंचित महिलाओं को निवारक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से हिंदुजा फाउंडेशन और अहमदनगर स्थित डॉ. माने मेडिकल फाउंडेशन एंड रिसर्च सेंटर के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं और शिरडी के साथ-साथ राज्य के अन्य जिलों में पूरी तरह से निःशुल्क कैंसर जांच और जागरूकता अभियान शुरू किया गया है।

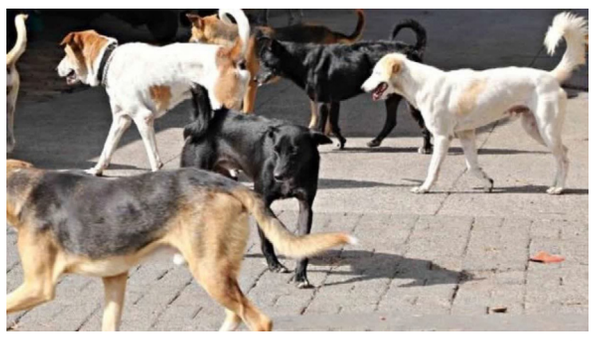

इस पहल का उद्देश्य दिसंबर 2025 तक 10,000 गरीब महिलाओं की गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर की जांच करना है। इस अभियान के तहत पहला जांच शिविर 8 जून को शिरडी के पास राहुरी में आयोजित किया गया था और लगभग 350 महिलाओं की जांच की गई थी। पहल के बारे में बात करते हुए हिंदुजा फाउंडेशन की संचालन समिति की सदस्य नम्रता हिंदुजा ने कहा, "स्वास्थ्य के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना एक मजबूत समाज के निर्माण की दिशा में एक बुनियादी कदम है। स्वास्थ्य सेवा में अंतर को पाटना और यह सुनिश्चित करना हमारी प्रतिबद्धता है कि कोई भी महिला सिर्फ़ अपनी आर्थिक स्थिति के कारण इलाज से वंचित न रहे।" हिंदुजा फाउंडेशन के चेयरमैन पॉल अब्राहम ने कहा, "भारत में कैंसर के मामलों में तेज़ी से वृद्धि बहुत चिंता का विषय है। 2025 में देश में 1.7 मिलियन से ज़्यादा नए कैंसर के मामले दर्ज किए गए और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या 2.5 मिलियन तक पहुँच सकती है।

क्या मोशी में बूचड़खाने का आरक्षण रद्द होगा?

पिंपरी.

श्री क्षेत्र आलंदी और श्री क्षेत्र देहू स्थित मोशी में बूचड़खाने को पिंपरी- चिंचवड़ महानगरपालिका की नई विकास योजना (डीपी) में आरक्षित करने का स्थानीय लोगों द्वारा कड़ा विरोध किए जाने के बाद अब प्रशासन ने भी माना है कि आरक्षण स्थान गलत था। प्रशासन इस आरक्षण को रद्द करने की मांग से सहमत है। महानगरपालिका आयुक्त शेखर सिंह ने स्पष्ट किया कि नियोजन समिति के समक्ष इस आरक्षण का विरोध किया जाएगा।

पिंपरी-चिंचवड़ महानगरपालिका की नई विकास योजना शहर की जनसंख्या 2041 तक मानकर तैयार की गई है। गुजरात के 'एचसीपी' नामक संगठन ने यह योजना तैयार की है। इसमें मोशी गांव की सीमा के भीतर बूचड़खाने के लिए जगह आरक्षित की गई है। इसका स्थानीय नागरिकों, हिंदुत्व संगठनों और भाजपा विधायक महेश लांडगे ने विरोध किया है। मोशी गांव श्री क्षेत्र आलंदी और श्री क्षेत्र देहू के बीच स्थित है और इस क्षेत्र में वारकरी समुदाय बड़ी संख्या में मौजूद है। मोशी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण गांव है, जहां कई धर्मों, जातियों और संप्रदायों के लोग शांतिपूर्वक रहते हैं। ऐसे गांव में बूचड़खाना खोलने से सामाजिक सौहार्द बिगड़ने की संभावना है। इस संबंध में नगर आयुक्त शेखर सिंह ने कहा, 'विकास योजना 'एचसीपी' नामक संस्था ने तैयार की है। इसमें नगर निगम का कोई हस्तक्षेप नहीं था। संस्था को सिर्फ यह बताया गया था कि शहर में क्या आरक्षण जरूरी है। बूचड़खाने के आरक्षण के लिए जगह गलत बताई गई है। प्रशासन इस मांग से सहमत है कि इस आरक्षण को रद्द किया जाए।

78 लाख रुपये की ड्रग्स जब्त

पिंपरी.

पिंपरी-चिंचवड़ क्राइम ब्रांच के मादक पदार्थ निरोधक दस्ते ने विशेष अभियान के तहत मई महीने में 72 कार्रवाई कर 135 किलो गांजा, 521 ग्राम अफीम, 95 ग्राम एमडी जब्त किया, जिसकी कीमत कुल 78 लाख 2 हजार 25 रुपए है। इन अपराधों में 83 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस महानिदेशक के आदेशानुसार 1 से 31 मई तक यह विशेष अभियान चलाया गया। पुलिस आयुक्त विनय कुमार चौबे के मार्गदर्शन में 28 विशेष टीमें बनाई गईं। इस अभियान में क्राइम ब्रांच ने सबसे ज्यादा 32 कार्रवाई की और 58 लाख रुपए का कीमती सामान जब्त किया। इसमें बावधन, चाकण, दिघी, पिंपरी, म्हालूंगे एमआईडीसी पुलिस स्टेशन की सीमा में गांजा के साथ एमडी और अफीम जब्त की गई। बावधन पुलिस ने 21 किलो गांजा जब्त किया। चाकण पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में 11 और 15 किलो गांजा जब्त किया। दिघी पुलिस स्टेशन ने दो अभियानों में कुल 13 किलो गांजा और 11 ग्राम एमडी जब्त किया। क्राइम ब्रांच की यूनिट 3 ने म्हालुंगे में 28 किलो गांजा के पौधे जब्त किए। इसके अलावा हिंजवड़ी पुलिस ने 68 ग्राम एमडी जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पिंपरी-चिंचवड़ कमिश्नरेट ने स्पष्ट किया है कि यह विशेष अभियान पिंपरी-चिंचवड़ शहर से ड्रग्स के पूर्ण उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रिटायर्ड प्रोफेसर के साथ हुई दरिंदगी

मुंबई. आईआईटी से रिटायर्ड प्रोफेसर को उनकी ही केयरटेकर महिला ने करोड़ों रुपए का चूना लगा दिया। प्रोफेसर के बच्चे उनसे मिलने नहीं आ रहे थे, यह देखकर उसने उन्हें वृद्धाश्रम में रख दिया। उसने उनके हस्ताक्षर लेकर उनके चारों फ्लैट अपने नाम करवा लिए।

इसके अलावा उसने उनके बैंक खाते से 6 करोड़ 3 लाख रुपए भी निकाल लिए। प्रो. मनमोहन अग्रवाल (82) इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं और आईआईटी बॉम्बे में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे। वे 2025 में अपनी सेवानिवृत्ति के बाद से पवई के हीरानंदानी गार्डन में ग्लेन हाइट्स बिल्डिंग में रह रहे हैं। उनका एक बेटा तुषार है जो डॉक्टर है और पिंपरी, पुणे में रहता है। उनकी पत्नी मीरा अपने बेटे के साथ पुणे में रहती हैं। जबकि उनकी बेटी मोनिका पवई में रहती है। अग्रवाल अकेले रह रहे थे क्योंकि उनकी पत्नी और बच्चे उनके साथ नहीं थे। अग्रवाल की मुलाकात 2017 में निकिता नाइक नाम की एक महिला से हुई। उसे पता चला कि अग्रवाल अकेले रह रहे हैं और उनका परिवार उन पर ज़्यादा ध्यान नहीं दे रहा है। निकिता ने अग्रवाल का भरोसा जीत लिया और उनकी निजी देखभाल करने लगी। अग्रवाल की निजी ज़रूरतों का ख्याल रखने के साथ-साथ निकिता बाहर के छोटे-मोटे काम भी करती थी। दरअसल, वह अग्रवाल के अकेलेपन का फायदा उठाकर उसे धोखा दे रही थी। अग्रवाल की आंखों की रोशनी कम होने लगी थी, इसलिए निकिता ने उनके बैंकिंग के काम करने शुरू कर दिए। वह एटीएम जाने, ऑनलाइन बिल भरने आदि के लिए अग्रवाल के मोबाइल का इस्तेमाल करती थी।

कैसे पकड़े जाएंगे आवारा कुत्ते?

> कई सालों से स्टाफ की भर्ती नहीं

जलगांव.

चार साल के बच्चे की मौत के बाद जलगांव नगर निगम ने आवारा कुत्तों की नसबंदी के लिए टेंडर जारी किया है। लेकिन, कोई जवाब नहीं मिलने से प्रशासन को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसा इसलिए क्योंकि एक विवादित संस्था को काम दिया गया है, जिस पर पहले ही केस दर्ज हो चुका है। ऐसे में यह बात भी सामने आई है कि नगर निगम ने कई सालों से आवारा कुत्तों को पकड़ने वाले कर्मचारियों की भर्ती ही नहीं की है। राज्य की अधिकांश नगर पालिकाओं के पास कर्मचारियों की अपनी टीमें हैं जो अपने-अपने शहरों में आवारा कुत्तों को पकड़ने का काम करती हैं।

इस टीम का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर घूमने वाले कुत्तों को नियंत्रित करके नागरिकों की सुरक्षा के लिए उपाय करना है। टीम द्वारा पकड़े गए कुत्तों का नियमित रूप से पंजीकरण किया जाता है। उनकी नसबंदी की जाती है और उन्हें रेबीज के टीके लगाए जाते हैं। नागरिक आवारा कुत्तों की समस्या के बारे में टीम से शिकायत कर सकते हैं। पुणे में आवारा कुत्तों की समस्या के बारे में शिकायत करने के लिए एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर है। इसके अलावा, मोबाइल फोन से व्हाट्सएप मैसेज भेजकर शिकायत दर्ज करने की सुविधा है। इसी तरह, नासिक में भी आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए नागरिकों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर दिए गए हैं। फिलहाल नगर निगम के पास आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए न तो कोई व्यवस्था है और न ही नागरिकों के लिए शिकायत करने के लिए कोई हेल्पलाइन नंबर। स्वाभाविक है कि अब प्रशासन आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए दूसरों पर निर्भर हो गया है और इसके लिए उसे करोड़ों रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं।

बम विस्फोट की धमकी दिये जाने पर पुलिस अलर्ट पर

मुंबई.

पुणे के एक होटल में काम करने वाले एक कर्मचारी ने होटल मालिक को गोली मारने और मुंबई में बम विस्फोट करने की धमकी दी, जिसके बाद होटल के सभी सिस्टम अलर्ट पर आ गए।

होटल मालिक ने पुणे पुलिस कंट्रोल रूम को फोन करके घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुणे पुलिस ने मुंबई पुलिस को घटना की जानकारी दी।पुणे सिटी पुलिस कंट्रोल रूम ने मुंबई पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, संदीप गाडे नामक व्यक्ति ने सोमवार आधी रात को पुणे पुलिस कंट्रोल रूम को फोन किया। गाडे कोथरूड के इंदिरा नगर का निवासी है और संदीप सिंह सतारा में उसके होटल में कर्मचारी के रूप में काम करता था। उसने दो दिन पहले ही नौकरी छोड़ी थी। उसने गाडे को फोन किया और उसे गोली मारकर हत्या करने की धमकी दी। उसने मुंबई में विस्फोट करने की भी धमकी दी। इस सूचना के बाद कोथरूड पुलिस ने तुरंत गाडे से घटना की जानकारी ली। मुंबई पुलिस को भी इसकी जानकारी दी गई।

उसके बाद मुंबई की सभी एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि सभी एजेंसियों को नियमानुसार सूचना दे दी गई है। पिछले एक साल में मुंबई पुलिस को कम से कम सौ से ज़्यादा मैसेज या फ़ोन कॉल मिले हैं, जिनमें धमकी और झूठी जानकारी दी गई है। इस बारे में अधिकारी ने कहा कि ऐसे मामलों को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। इसलिए सभी मामलों की जांच की जाती है। इसके लिए पूरी व्यवस्था को काम पर लगाया जाता है।

सख्त क़ानून बनाने की ज़रूरत

काफ़ी कोशिशों के बाद भी धमकी या मैसेज भेजने वाले को गिरफ़्तार कर लिया जाता है। ऐसे मामलों के लिए कोई ख़ास क़ानून नहीं है। नतीजतन, ऐसे मामलों में आरोपी को जल्दी ज़मानत मिल जाती है। इसलिए एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले के लिए एक सख्त क़ानून बनाने की ज़रूरत है।

ट्रक से टकराई श्रद्धालुओं से भरी बस

सोलापुर. जिले में मंगलवार सुबह श्रद्धालुओं से भरी बस का भयानक एक्सीडेंट हो गया। सोलापुर-अक्कलकोट हाइवे पर हुए इस भीषण सड़क हादसे में कम से कम तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 15 से 20 लोग घायल हो गए। पुणे से अक्कलकोट भगवान के दर्शन के लिए निकली ट्रैवल्स बस ने कर्जाला गांव के पास खड़े ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के वक्त बस में करीब 30 से 35 श्रद्धालु सवार थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कई यात्री बस में फंस गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और तुरंत अक्कलकोट व सोलापुर के सिविल अस्पतालों में भर्ती कराया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, बस काफी तेज रफ्तार से चल रही थी और सड़क के किनारे खड़े ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बस की बाईं ओर का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस का मानना है कि चालक की लापरवाही और तेज रफ्तार इस दुर्घटना का मुख्य कारण हो सकती है। हालांकि, घटना की विस्तृत जांच जारी है।

आज का राशिफल

मेष राशि- मेष राशि वालों के लिए अच्छा दिन है। पारिवारिक जीवन में खुशियों का माहौल रहेगा। धन बचत करें और बेकार की चीजों पर पैसे खर्च करने से बचें।

वृषभ राशि- जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों के संकेत हैं। नौकरी-कारोबार में वातावरण अनुकूल रहेगा। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। जीवन में खुशियों का माहौल रहेगा।

मिथुन राशि- मिथुन राशि वालों की पुराने दोस्तों और रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। जिससे मन प्रसन्न रहेगा।ऑफिस में सहकर्मियों को सपोर्ट करें।

कर्क राशि- कर्क राशि के जातकों को आज कोई भी फैसला बहुत सोच-समझकर लेना चाहिए। रिश्तों में नजदीकियां आएंगी।

सिंह राशि- ऑफिस में कार्यों का दबाव बढ़ेगा। नए जिम्मेदारियों को सावधानी से संभालें। किसी भी कार्य को लेकर ज्यादा तनाव न लें।

कन्या राशि- कन्या राशि वालों को आज करियर में तरक्की के कई मौके मिलेंगे। ऊर्जा और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी मिलेगी।

तुला राशि- तुला राशि के जातकों को जीवन में संतुलन बनाने पर फोकस करना होगा। ऑफिस में काफी बिजी शेड्यूल रहेगा।

वृश्चिक राशि- लव लाइफ पर ध्यान दें। जीवनसाथी से अनबन के संकेत हैं। रिश्तों में बिना कारण तनाव बढ़ सकता है, लेकिन क्रोध से बचें।

धनु राशि- व्यापार में विस्तार होगा। आज पार्टनरशिप या नए बिजनेस की शुरुआत करने के कई मौके मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मकर राशि- निवेश से जुड़े फैसले सोच-समझकर लें। लॉन्ग टर्म गोल्स पर फोकस करें। करियर में तरक्की के नए मौके पर नजर रखें।

कुंभ राशि- नए कार्यों की शुरुआत के लिए उत्तम दिन है। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। सफलता प्राप्त करने के लिए किए गए प्रयास सार्थक साबित होंगे।

मीन राशि- मीन राशि वालों के प्रोफेशनल लाइफ में नए बदलाव होंगे। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। धन आगमन के नए मार्ग प्रशस्त होंगे।

जाहिर सूचना

आम जनतेस सुचीत करण्यात येते की मी **निरंजन अशोक मेंढेकर**, राहणार शांतीगर नागपूर; **श्री शंकरराव ज्ञानराव बरगट** राहणार बिनाकी मंगळवारी नागपूर, यांचेशी **दिनांक 07/06/2025** रोजी खाली वर्णीत प्लॉटच्या खरेदीचा करारनामा केलेला आहे. **प्लॉटचे वर्णन** मौजा कळमना, प.ह. नंबर 17, सिटी सर्वे नंबर 14 , खसरा नंबर 72/2 मध्ये स्थित **प्लॉट नंबर 31** (ग्रूप सी -1) ज्याचे एकुण **क्षेत्रफळ** : 683 चौरस फुट (63.48 चौरस मीटर) आणि **लांबी रुंदी** खालील प्रमाणे आहे. पूर्व-पश्चिम: 18.6 + 20/2 फुट उत्तर-दक्षिण: 35.6 फुट. तरी या करारावर कोणत्याही व्यक्ती/ संस्थेचा आक्षेप/ दावा/ हक्क/ संबंध/ अधिकार/ गहाण/ विक्री/ बक्षीसपत्र/ अन्य लिखीत करार असल्यास ही सुचना प्रकाशीत झाल्याच्या 7 दिवसांच्या आत 8888019771 या मोबाईल नंबरवर माझेशी संपर्क साधावा. **प्रेषक निरंजन अशोकराव मेंढेकर** राहणार शांतीनगर नागपूर. मोबाईल नंबर 8888019771.

कोर्ट विद्यमान श्री सुरेश वाघचौरे, तालुका दंडाधिकारी, पारशिवनी यांचे न्यायालय पारशिवनी

रा.मा.क्र. /जन्म, मृत्यु नोंद/२०२४-२५
मौजा दहेगाव (जोशी), प.ह.नं.०९
तालुका-पारशिवनी, जि. नागपूर

जाहीरनामा

मौजा- दहेगाव (जोशी) तह. पारशिवनी, जिनागपूर येथील सर्व नागरीकांना सुचित करण्यात येते की, अर्जदार श्री. मुकेश रामभाऊ बोरकर, राह. दहेगाव (जोशी), तह. पारशिवनी, जि.नागपूर यांनी या कार्यालयास अर्ज सादर केलेला असून यांनी त्याच्या वडीलाचे नावे रामभाऊ मोठ्या बोरकर याचा मृत्यु दिनांक १३/११/२०१८ रोजी, मौजा-दहेगाव (जोशी), येथे मृत्युची नोंद घेण्यात आलेली नाही. ग्रामपंचायत, दहेगाव (जोशी), ता. पारशिवनी, जि. नागपूर येथे मृत्युची नोंद होण्याकरीता आदेश मिळण्याबाबत अर्ज सादर केले आहे. तरी अर्जदार यांनी त्याचे वडीलाचे नावे रामभाऊ मोठ्या बोरकर याचा मृत्युची नोंद करण्याबाबत. आदेश देण्याबाबत कोणाला आक्षेप अथवा उजर घ्यावयाचे असतील त्यांनी एक महिना पर्यत आपले आक्षेप अथवा उजर तहसिल कार्यालय, पारशिवनी येथे कार्यालयीन वेळेत तक्रार लेखी स्वरुपात स्वतः उपस्थित राहून या कार्यालयात समक्ष सादर करावे. नियोजीत तारखेनंतर मिळालेल्या आक्षेपावर विचार करण्यात येणार नाही, याबाबत संबंधितांनी नोंद घ्यावी.

सदर जाहीरनामा आज दिनांक २७/०५/२०२५ रोजी माझे सही व शिक्यानिशी प्रसिध्द करण्यात येत आहे..

(सुरेश वाघचौरे)
तालुका दंडाधिकारी, पारशिवनी

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944 , 9881272088

सुविचार

सपने वो नहीं जो हम सोते वक्त देखते हैं
सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।

संपादकीय

कुशलता बढ़ाइए

आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू अपने राज्य में जन्म दर बढ़ाना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने फाइनेंशियल इंसेंटिव देने की योजना बनाई है। चंद्रबाबू के इस फैसले के पीछे सामाजिक से ज्यादा राजनीतिक कारण हैं। हालांकि आबादी के मामले में चीजें इस तरह से काम नहीं करती हैं। नायडू का कहना है कि परिवार जितना बड़ा होगा, उसे उतना ही ज्यादा आर्थिक अनुदान मिलेगा। इससे पहले वह महिलाओं के लिए कितनी भी बार मैटरनिटी लीव और वर्कप्लेस पर बच्चों के लिए सेंटर जैसे नियम बना चुके हैं। विडंबना है कि इसी आंध्र प्रदेश में ऐसे लोगों को निकाय चुनावों में खड़े होने से रोकने के लिए नियमों में बदलाव किया गया था, जिनके दो से ज्यादा बच्चे हैं। आंध्र की पॉलिसी में यह बदलाव आया कैसे? इसका जवाब बहुत कुछ संख्या बल की राजनीति में है। आंध्र समेत दक्षिण के सभी राज्यों में यह चिंता है कि कम आबादी की वजह से उनकी राजनीतिक हैसियत में कमी आई है। परिसीमन पर दक्षिण का विरोध इसी वजह से है कि उत्तर के राज्यों की तुलना में उनके यहां लोकसभा की सीटें कम बढ़ सकती हैं और इससे देश की सियासत में वह कमजोर पड़ जाएगा। चंद्रबाबू इसी के चलते दक्षिणी राज्यों से अपनी जनसंख्या नीति पर पुनर्विचार करने की अपील कर रहे हैं। हालांकि जनसंख्या इस तरह स्टॉप-स्टार्ट मोड में काम नहीं करती और इसका सबसे बड़ा उदाहरण चीन है। पेइचिंग ने करीब चार दशकों तक वन चाइल्ड पॉलिसी का सख्ती से पालन किया। जब इसका असर उसकी वर्कफोर्स पर पड़ा, तो 2015 में उसने दो बच्चों और फिर तीन बच्चों तक की छूट दे दी, लेकिन इससे उसकी जन्मदर पर खास फर्क नहीं पड़ा। वजह है कि शिक्षा का स्तर बढ़ने के साथ ही लोगों का ध्यान क्वालिटी लाइफस्टाइल की तरफ गया है।शिक्षा के साथ आई जागरूकता के कारण पिछले दशक से आबादी में बढ़ोत्तरी नियंत्रण में आई है। भारत के सामने समस्या जनसंख्या घटने की नहीं, बल्कि यह है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को किस तरह स्किल्ड बनाया जाए ताकि वे भी विकास में साझीदार हों और उनके जीवन स्तर में सुधार आए।

तेजस्वी यादव को सीएम फेस बनाने पर महागठबंधन में अब भी असहमति क्यों?

तेजस्वी यादव बिहार में विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं, लेकिन आज की तारीख में आने वाले चुनाव के लिए महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद का चेहरा नहीं हैं. महागठबंधन से कोई अलग हाल एनडीए का नहीं है. नीतीश कुमार बिहार के मौजूदा मुख्यमंत्री हैं, लेकिन एनडीए के सीएम फेस नहीं हैं. पर महागठबंधन में अब भी असहमति क्यों नीतीश कुमार का भी आत्मविश्वास थोड़ी देर के लिए तो कम पड़ ही जाता होगा,

जब महाराष्ट्र चुनाव के दौरान अमित शाह का बयान याद आता होगा. तब तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बारे में पूछा गया था, और अमित शाह ने कहा था, 'अभी तो एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं.' बिहार के मामले में भी अमित शाह कह चुके हैं कि ऐसे फैसले बीजेपी का संसदीय बोर्ड लेता है. मतलब, जब तक संसदीय बोर्ड की मुहर नहीं लग जाती,नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी पक्की नहीं मानी जा सकती.

कांग्रेस ने भी तेजस्वी यादव का मामला वैसे ही फंसा रखा है, जैसे बीजेपी ने नीतीश कुमार का. अब सवाल ये हो सकता है कि अगर दोनों तरफ मामला एक जैसा ही है, तो किसी एक पर असर कहां से होगा. न किसी को फायदा होगा, न किसी को नुकसान होगा - लेकिन राजनीति में कई बार मैथ की तरह चीजें सीधी और सपाट बिल्कुल नहीं होतीं. ये ठीक है कि तेजस्वी यादव की भी मुख्यमंत्री पद की दावेदारी में नीतीश कुमार जैसा ही पेच फंसा हुआ है, लेकिन जरूरी नहीं कि मुश्किलें और चुनौतियां भी बराबर ही हों. और, तेजस्वी यादव के मामले में चुनौतियां ज्यादा लगती हैं. बीजेपी के पास तो नीतीश कुमार से हाथ खींच लेने का विकल्प फिलहाल नहीं लगता, लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में जो तेवर दिखाया है - कुछ भी असंभव नहीं लगता. तेजस्वी यादव 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद का चेहरा रहे हैं. फिलहाल बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं. विपक्ष से आशय यहां सत्ताधारी बीजेपी-जेडीयू वाले एनडीए के खिलाफ महागठबंधन में शामिल पार्टियों से है, जिसमें कांग्रेस भी शामिल है. मुद्दे की बात ये है कि तेजस्वी यादव के महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद का चेहरा होने को लेकर कई बार सवाल पूछा जा चुका है, लेकिन कांग्रेस नेता हमेशा ही टाल जाते रहे हैं. कांग्रेस और आरजेडी नेताओं की कई बार मुलाकात भी हो चुकी है,

और करीब करीब हर मुलाकात के बाद मीडिया की तरफ से ये सवाल पूछा ही जाता है - लेकिन हर कांग्रेस नेता टाल जाते हैं. तेजस्वी यादव को महागठबंधन का नेता मानने के सवाल पर कृष्णा अल्लावरु कहते हैं, इंडिया ब्लॉक सहयोगियों में सभी की अपनी अपनी खासियत है. हमें एक-दूसरे के साथ और समर्थन में रहना होगा. समन्वय समिति सभी मुद्दों, जैसे संयुक्त रैलियों से लेकर सीट बंटवारे तक, चर्चा करने वाली सबसे बड़ी कमेटी है. तेजस्वी यादव समन्वय समिति के नेता है. कांग्रेस के पास ये मैंडेट नहीं है कि वो किसी को मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करे सभी गठबंधन सहयोगियों सामूहिक दायित्व है कि वे सही समय पर अपने नेता का ऐलान करें. कृष्णा अल्लापुर से जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद बिहार के राजनीतिक माहौल के बारे में सवाल किया जाता है, तो वो अपनी तरफ से खारिज कर देते हैं. कहते हैं,

ऑपरेशन सिंदूर के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की बात बोल देने के बाद नरेंद्र मोदी के राष्ट्रवाद का मिथक सामने आ चुका है.बिहार कांग्रेस प्रभारी का इस बयान के बाद भी तेजस्वी यादव के सामने खड़ी चुनावी चुनौतियां कम नहीं होने वाली हैं.

और, जब तेजस्वी यादव की चुनौतियां खत्म नहीं हो सकतीं, तो कांग्रेस की स्थिति का तो आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है. नीतीश कुमार अगर एकनाथ शिंदे की तरह एनडीए के मुख्यमंत्री पद का चेहरा नहीं भी घोषित किये जाते तब भी तेजस्वी यादव के लिए चुनौतियां वैसे ही बरकरार रहेंगी. हां, अगर कांग्रेस की सहमति के बाद तेजस्वी यादव को महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया जाता है, तो चीजें काफी आसान हो जाती.

उपन्यास

शांत खिलना: कैसे भारतीय मुसलमान अपने सपनों को पुनः प्राप्त कर रहे हैं

इंशा वारसी, फ्रैंकोफ़ोन और पत्रकारिता अध्ययन, जामिया मिल्लिया इस्लामिया

एक तरह की क्रांति है जो नारों या बैनरों के साथ खुद को घोषित नहीं करती है। यह खिड़कियां नहीं तोड़ती या सुर्खियाँ नहीं बटोरती। इसके बजाय, यह देर रात तक पढ़ाई के सत्रों की मंद रोशनी में, धूल भरे खेल के मैदानों में, उधार की किताबों और दूसरे हाथ के सपनों के साथ किराए के कमरों में चुपचाप सामने आती है। यहीं आपको यह मिलेगा। और यहीं, आज, भारतीय मुसलमान आधुनिक भारत की सबसे शक्तिशाली कहानियों में से एक लिख रहे हैं। यह केवल व्यक्तिगत सफलता की कहानी नहीं है। यह टकराव के माध्यम से नहीं, बल्कि शांत, निरंतर उत्कृष्टता के माध्यम से स्थान पुनः प्राप्त करने की कहानी है।

ऐसी कहानी जो तालियों की मांग नहीं करती, बल्कि हर खड़े होकर तालियाँ बजाने की हकदार है। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर के 17 वर्षीय माजिद मुजाहिद हुसैन को ही लें। उनका शहर अक्सर खबरों में नहीं आता, लेकिन माजिद ने इसे चमकने का एक कारण दिया। जब इस साल JEE एडवांस के नतीजे घोषित किए गए, तो उन्होंने ऑल इंडिया रैंक 3 हासिल की थी। उनके पास बेहतरीन कोचिंग सेंटर या असीमित संसाधन नहीं थे। उनके पास जो था वह इतना मजबूत विश्वास था कि दो साल तक उन्होंने सोशल मीडिया से लॉग आउट करके और अपने सपनों में लॉग इन करके शोर को सचमुच बंद कर दिया। उन्होंने सिर्फ एक परीक्षा पास नहीं की; उन्होंने धारणा की अदृश्य दीवार को तोड़ दिया जो अक्सर उनके जैसे नामों पर छाया रहती है। देश भर में, संघर्ष के एक अलग कोने में, सैकड़ों अन्य मुस्लिम छात्र भी उठ खड़े हुए। रहमानी 30 में, एक शांत लेकिन उग्र शैक्षणिक आंदोलन जहां 205 में से 176 छात्र इस साल JEE एडवांस में सफल हुए। उनमें से ज्यादातर ऐसे घरों से आते हैं जहां सपनों को अक्सर कर्तव्य के लिए बदल दिया जाता है।

फिर भी वे यहां हैं, IIT के दरवाजे खटखटा रहे हैं, अनुमति मांग नहीं रहे हैं, बल्कि यह साबित कर रहे हैं कि वे वहां के हैं। और फिर लड़कियां हैं। ओह, वे कैसे उठ खड़ी हुई हैं। कश्मीर के पुलवामा के दिल में, एक ऐसा नाम जो अक्सर संघर्ष से जुड़ा होता है, जहां दो युवा लड़कियों, सदाफ मुश्ताक और सिमराह मीर ने JEE मेन्स 2025 में 99 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करके हर रूढ़ि को तोड़ दिया यह भावना कच्ची, वास्तविक और अथक है, जो केवल शिक्षाविदों तक ही सीमित नहीं है। ट्रैक और पूल में, मैदानों और फ्लडलाइट्स में, मुस्लिम एथलीट न केवल पदक बल्कि उम्मीदें भी जगा रहे हैं। मोहम्मद अफसल ने 800 मीटर में पिछले सात सालों में किसी भी भारतीय पुरुष से अधिक तेज दौड़ लगाई और एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

बिहार के पैराप्लेजिक तैराक शम्स आलम अब खुले पानी में तैराकी के लिए विश्व रिकॉर्ड रखते हैं और इस श्रेणी में विश्व स्तर पर नंबर एक स्थान पर हैं। हर स्ट्रोक, हर लैप के साथ, वह उस दुनिया को बताते हैं जो अक्सर विकलांगता और पहचान को नकारती है: "मैं मौजूद हूं। मैं बेहतरीन हूं।" कश्मीर के बांदीपुरा में, किकबॉक्सिंग विश्व चैंपियन और किशोर कोच तजामुल इस्लाम युवा लड़कियों को सिखा रही हैं कि पितृसत्ता और डर को कैसे खत्म किया जाए। कंक्रीट से नहीं बल्कि साहस से बनी उनकी अकादमी 700 से अधिक लड़कियों को प्रशिक्षित करती है।

वह सिर्फ लड़ाके नहीं बनाती। वह आजादी का निर्माण करती है। यह सिर्फ सफलता की कहानियों का संग्रह नहीं है। यह एक सांस्कृतिक धारा है। एक शांत विद्रोह। यह एक नरम लेकिन दृढ़ अनुस्मारक है कि भारतीय मुस्लिम पहचान केवल पीड़ित या बदनामी तक सीमित नहीं है। यह जीवंत, विशाल और विजयी है। यह उन पिताओं से भरा हुआ है जो अपनी बेटियों को डॉक्टर बनाने के लिए फल बेचते हैं।

उन माताओं से जो अपने बेटों को कोचिंग क्लास का खर्च उठाने के लिए देर रात तक सिलाई करती हैं। उन बच्चों से जो न केवल अपने लिए बल्कि ऐसे भविष्य के लिए प्रार्थना करते हैं जहाँ योग्यता को अविश्वास के माध्यम से फ़िल्टर नहीं किया जाता है। ये केवल व्यक्तिगत प्रतिभा की कहानियाँ नहीं हैं, बल्कि सामूहिक लचीलेपन की कहानियाँ हैं। यदि आप ध्यान से सुनेंगे, तो इन कहानियों में कोई गुस्सा नहीं है। बस ध्यान केंद्रित करें।

कोई माँग नहीं, केवल समर्पण। कोई कड़वाहट नहीं, केवल विश्वास। अब समय आ गया है कि हम ध्यान दें। समय आ गया है कि हम इन आवाज़ों को बढ़ाएँ, न केवल डेटा शीट और खेल पृष्ठों में, बल्कि राष्ट्रीय विवेक में। क्योंकि आज जो चुपचाप हाशिये पर चल रहा है, वह कल मुख्यधारा को फिर से परिभाषित कर सकता है। और शायद, बस शायद, इसी तरह क्रांतियाँ शोर से नहीं, बल्कि परिणामों के साथ होती हैं। क्रोध से नहीं, बल्कि आग से। क्रोध से नहीं, बल्कि संकल्प से।

उपन्यास

यशवंत कोठारी

नया सवेरा

अभिमन्यु और कमला जब गांव पहुंचे तो रात गहरा चुकी थी। गाँव सुनसान और नीरव था, अपने घर तक पहुँचने में अभिमन्यु ने शीघ्रता बरती। घर के बाहर ही उसे अकबर मिल गया। 'कैसे हैं बाबूजी।' अभिमन्यु ने अधीरता से पूछा।'अब ठीक है। वे सो रहे हैं। मां उनके सिरहाने बैठी हैं। कमला तुरंत भीतर चली गयी। वो मां से लिपटकर रो पड़ी। अभिमन्यु भी अंदर आया। माँ के चरण छुए। बाबूजी के बारे में पूछने लगा। 'क्या हुआ था।'अब बुढ़ापा सबसे बड़ी बीमारी है बेटा। मां ने रोते हुए कहा। कुछ दिन बुखार रहा। वैद्य जी की दवा दी। फायदा नहीं हुआ। एक रोज बेहोश हो गये। फिर होश आया तो बायां हिस्सा काम नहीं करता है।

'अभिमन्यु, बापू के लकवा हो गया है।' अकबर ने हकीकत बताई। मां अब मैं तुम दोनों को यहां नहीं रहने दूंगा। कल सुबह ही बापू को लेकर राजपुर चलेंगे। वहीं अच्छा इलाज भी हो सकेगा 'जैसा तुम ठीक समझो बेटा। अब हमारे दिन ही कितने हैं काश तुम शादी कर लेते तो कुछ चैन मिलता।' तभी अभिमन्यु के बापू ने आँखें खोली। पहचानने की कोशिश की। अभिमन्यु ने चरण छुए। वह बापू के शरीर पर मालिश करने लगा। मां व कमला घर के काम में लग गयी।अकबर चला गया। अभिमन्यु सूने कमरे में अकेले चुपचाप विचार करने लगा। उसे याद आया हाड़ तोड़ मेहनत कर घर चलाने वाला बापू, आज कैसी असहाय स्थिति में है। उसे अपने घर परिवार के अभाव, भूख, बेकारी के दिन भी याद आये। उसका मन उदास हो गया। उसे याद आया बचपन में नंगे पांव स्कूल जाना। एक ही कुर्ते को रात में धोकर सुबह पहन कर परीक्षा देने जाना। इस गांव से कितनी यादें जुड़ी हुई है। बचपन और जवानी की यादें। जिंदगी की कठोर यादें अभावों की यादें। भूख और प्यास की यादें। अकाल की यादें। उसे फिर याद आया किस तरह परीक्षा के दिनों में भी उसने अकबर का कुर्ता पहन कर परीक्षा दी थी, क्योंकि उसका इकलौता कुर्ता नदी में बह गया था। और तुरंत दूसरा कुर्ता बनवाने को पैसे नहीं थे। इसी गांव के पोस्ट ऑफिस के बाहर बैठकर उसने लोगों के पत्र और तार लिखे थे। कभी निःशुल्क और कभी पैसे लेकर ताकि अपनी पढ़ाई जारी रख सके। उसकी आंखें भर आई। बापू ने एकाध बार तो उसके स्कूल की फीस मां के गहने बेचकर भरी थी। समय ने सब धो दिया। बापू ने तभी पानी मांगा। अभिमन्यु तन्द्रा से जागा। बापू को पानी पिलाया। खुद भी पिया। रात काफी बीत गयी थी। अभिमन्यु वहीं बापू के पैताने सो रहा।

लघुकथा

अमिताभ कुमार

मुक्ति

सुबह से ही मोहल्ले में कानाफूसी तेज थी। कल रात से ही रज्जो का कहीं अता-पता नहीं था। उसके घरवाले काफी परेशान थे। कोई पुलिस में रिपोर्ट करने की सलाह दे रहा था तो कोई कुछ और कानाफूसी यों के बीच दबे स्वर में कोई यह भी बोल रहा था. 'पच्चीस की हो गयी थी छोरी अभी तक शादी भी नहीं हुयी थी। भाग गयी होगी किसी के साथ। 'इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। थोड़ी देर ढाढ़स बंधाने के बाद धीरे-धीरे पड़ोसियों की भीड़ भी समाप्त हो गयी। पाँच भाई-बहनों में वह सबसे बड़ी थी। पुत्र की चाहत में उसकी माँ ने चार पुत्रियों को जना था। पिता मेहनत-मजूरी करके जो थोड़ा-बहुत कमाता उससे सबका पेट पल रहा था। विवाह के लिये लड़के वाले दहेज की माँग करते. जिसे उसके माँ-बाप पूरा नहीं कर पा रहे थे और छोरी अब तक बिनब्याही थी। साँझ होने को आयी। गाँव के ही किसी छोरे ने आकर बताया कि चौर में रज्जो की लाश पड़ी है। शायद उसने आत्महत्या कर ली है। घर में कोहराम मच गया। पूछने पर घरवालों ने बताया. 'कल शाम लड़केवाले उसे देखने आये थे। दहेज की माँग न मानने के कारण एक बार फिर से रिश्ता टूट गया।' समझते देर न लगी कि माँ-बाप को परेशानियों से मुक्ति दिलाने हेतु छोरी ने आत्महत्या कर ली.

कहानी

तमाशा

दिनभर कड़ी मेहनत करने के बाद जब शाम को मनुआ थका-मांदा घर लौटता तो इमली का मुखड़ा देखते और उसके मीठे बोल सुनते ही उसकी सारी थकावट मानो फुर्र हो जाती। लगता जैसे शरीर में नई ताजगी का संचार हो गया हो। वहीं दिनभर अकेलेपन की तकलीफ झेलने वाली इमली का चेहरा भी किसी ताजे फूल की तरह खिल उठता। उस घर में किसी खुशहाल दंपति का एहसास मोहल्ले - पड़ोस के सभी लोगों को हमेशा होता। लोग उनके आपसी प्यार और सहयोग की सराहना करते कि परिवार हो तो ऐसा ही हो। कभी कोई समस्या आती तो दोनों हंसकर उसे झेल लेते हैं और अपनी खुशी को लोगों में भी बांटते हैं। और इसी तरह मनुआ तथा इमली का दाम्पत्य जीवन सुख-दुख को झेलता हुआ मजे से गुजर रहा था। मनुआ दिहाड़ी मजदूर था, कभी कमाता तो कभी फाका भी दिन गुजारना पड़ता। इसी तरह मनुआ और इमली के वैवाहिक जीवन के लगभग आठ साल गुजर चुके थे। वैवाहिक जीवन के इतने साल गुजर जाने के बावजूद दोनों संतान सुख से वंचित थे मगर इस बात को लेकर दोनों के जीवन में कभी कोई कड़वाहट उत्पन्न नहीं हुई, कोई मलाल नहीं था। व्यवहार में भी कोई परिवर्तन नहीं आया था। दोनों प्राणी तो बस यही जानते थे कि भगवान जो करता है, अच्छा ही करता है। सुख-दुख को झेलते हुए दोनों प्राणियों का प्रेम दिन पर दिन परवान चढ़ रहा था। वहीं एक ऐसा अभावग्रस्त परिवार जो निरंतर समस्याओं को झेलता हुआ शांतिपूर्ण जीवन गुजार रहा हो, अंततः लोगों की नजरों में खटक ही जाता है। उन दोनों का यह प्रेम और आपसी मेल आखिर लोगों को सहन नहीं हुआ। इतने वर्ष गुजर गये और दोनों में कभी लड़ाई. झगड़ा नहीं हुआ, ऐसा तो नहीं होना चाहिये। किसी न किसी बहाने दोनों को लड़वाना चाहिये ताकि मोहल्ले वाले भी एक बार तमाशा देख सकें। लोगों ने विचार किया को जो कभी नहीं हुआ, वह एक न एक दिन तो अवश्य होना चाहिये। यही सोचकर मनुआ और इमली के पड़ोसियों ने आखिर योजना बना ही डाली। एक दिन मनुआ को मजदूरी पर जाने के बाद पड़ोस की कई महिलाओं ने मिलने-जुलने के बहाने आकर इमली को घेरा और बात ही बात में कहा, ' अरी बहना! जानती हो, तुम्हारा पति छोटी जाति का है। वह तुम्हारी जात का नहीं है।'नहीं,' इमली ने अविलंब विरोध किया, ' ऐसा नहीं हो सकता। हमदोनों तो एक ही जाति के हैं।

आलेख

डॉ.चन्द्रकुमार जैन

अपने 'आज' को सँवारें, 'कल' स्वयं निखर जाएगा

बहुत विचित्र है मानव मन. कभी यह मन अपने अदृश्य पंखों से हिमालय की ऊँचाइयों तक पहुँचना चाहता है, कभी उन्हीं पंखों को समेटकर सागर की गहराइयाँ नापना चाहता है. कभी धूमिल अतीत को याद करता है, तो कभी स्वप्निल भविष्य में खो जाता है हमारा मन. सिर्फ़ वर्तमान को छोड़कर काल के सभी खण्डों में भटकने का आदी हो जाता है मानव मन. परन्तु, जीवन इतना भोला भी नहीं है की मन की यायावरी के खाते में,मनचाही सारी चीज़ें डाल दे. न ही जीवन इतना क्रूर है कि जो मन आज की सच्चाई को जिए और हकीकत के रूबरू हो उसे बरबस बिसार दे. इसलिए याद रखना होगा कि जीवन का एक ही अर्थ है वह जो है आज और अभी. कहीं और नहीं, बस यहीं. जो अपने साथ है, अपने सामने है और जिससे मुलाक़ात मुमकिन है, उस पल को छोड़कर बीते हुए या आने वाले कल की बातों या ख्यालों में डूबे रहने से कुछ हासिल होने वाला नहीं. यकीन मानिए आप इस क्षण में जहाँ हैं, वहाँ जो हैं, जैसे भी हैं, जीवन की संभावना जीवित है. जीवन, वर्तमान का दूसरा नाम है. गहराई में पहुँचकर देखें तो मन के हटते ही जीवन का सूर्य चमक उठता है. इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि मन को लेकर मन भर बोझ लिए चलने वाले के हाथों ज़िन्दगी के संगीत का सितार कभी झंकृत नहीं हो सकता. किसी शायर ने क्या खूब कहा है -जहाँ जीवन है वहाँ यह चंचल मन पल भर भी ठहर नहीं सकता. आप जो घट चुका है,उसमें कण भर भी न तो कुछ घटा सकते हैं और न ही उसमें रत्ती भर कुछ जोड़ना संभव है. दरअसल जो घट चुका वह अब है ही नहीं. और जो अभी घटा ही नहीं है वह भी आपकी पहुँच से बाहर है. फिर वह क्या है जिसे कहीं और खोजने की कोई जरूरत नहीं है? ज़ाहिर है कि है तो केवल वही जो अभी है, यहीं है. इस क्षण है. वह जो न तो घटा है और न घटेगा बल्कि वह जो घट रहा है. यहाँ अगर थोड़ी सी भी चूक हुई कि आप भटक जायेंगे. क्योंकि हाथों में आया एक पल, पलक झपकते ही फिसल जाता है. वह क्षण जो आपको अनंत के द्वार तक ले जाने की शक्ति रखता है. आपकी ज़रा सी चूक या भूल हुई कि वही क्षण सिमटकर विगत बन जाएगा. फिर वह आपके चेतन का नहीं, मन का हिस्सा बन जाएगा. मीरा ने यदि कहा है कि 'प्रेम गली अति सांकरी' और जीसस ने भी पुकारा है कि समझो 'द्वार बहुत संकरा है' तो उसके पीछे शाश्वत की लय है.अनंत का स्वर है. जीवन का जो क्षण हाथ में है उसमें जी लेने का सीधा अर्थ है भटकाव की समाप्ति. वहाँ न अतीत का दुःख है, न भविष्य की चिंता. यही वह बिंदु है जहाँ आप विचलित हुए कि जीवन आपसे दूर जाने तैयार रहता है. हाथ में आए जीवन के किसी भी क्षण की उपेक्षा, क्षण-क्षण की गयी शाश्वत की उपेक्षा है. यह भी याद रखना होगा कि क्षण को नजरअंदाज करने पर वही मिल सकता है जो क्षणभंगुर है, जो टिकने वाला नहीं है. वहाँ अनंत या शांत चित्त का आलोक ठहर नहीं सकता. वहाँ इत्मीनान और चैन की बात भी बेमानी है.

संस्मरण

ओमप्रकाश शर्मा

अहसास

चार बार तिथियाँ बदलने व विद्यार्थियों को बार-बार हिदायत देने के बाद उस दिन थोड़े से अभिभावकों ने विद्यालय आने का कष्ट किया और बड़ी कठिनाई से विद्यालय प्रबन्धन समिति की नवकार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया को पूरा किया जा सका। मेरे मन में सहसा अपने पुराने विद्यालय की उन दिनों की याद ताजा हो गई जब मैं नया-नया उस विद्यालय में स्थानांतरित होकर आया था। बोर्ड की परीक्षाएं हो चुकी थीं। परीक्षा के संचालन का कार्यभार अर्थशास्त्र के प्रवक्ता श्री मदन जी, जो युवा होने के साथ-साथ विद्वान, कर्मठ, दूरदर्शी, निर्भीक व्यक्तित्व के स्वामी थे के हाथों में था। वे उसी विद्यालय के ही पुराने छात्र थे व अब भी हिमाचल विश्वविद्यालय पी.एच.डी कर रहे थे।

उनका मत था- 'नकल ही एक ऐसी बुराई है जो छात्रों में निठ्ठलेपन की भावना को जागृत करती है तथा अध्ययन अध्यापन के कार्य में बाधा उपस्थित करती है। यदि इस बुराई का अन्त कर दिया जाए तो शैक्षिक वातावरण स्वतः ही बन जाता है व तभी सही अर्थों में बालक का सर्वांगीण विकास संभव हो सकता है।' उस वर्ष उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं को बोर्ड के उचित मापदण्डो व दिशानिर्देशों के आधार पर संचालित किया था। बाजार आदि में कुछ दिनों तक इसकी चर्चा रही परन्तु धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो गया लेकिन बड़े आश्चर्य की बात थी कि दो तीन महीने व्यतीत हो जाने पर भी किसी भी बालक के माता-पिता / अभिभावक ने विद्यालय में आकर यह जानने का कष्ट नहीं किया कि उनका बच्चा क्यों या कैसे अनुत्तीर्ण हो गया या उसकी क्यों कंपार्टमैंट आई।

कुछ बालकों ने स्कूल छोड़ दिया, कुछ ने पुनः प्रवेश ले लिया तथा कुछ छात्रों ने स्वयं ही अपना विद्यालय-त्याग प्रमाणपत्र लेकर दूसरे विद्यालय में प्रवेश ले लिया। बाहर बाहर चर्चाएँ होती रहीं पर विद्यालय में कोई नही आया।मैं परीक्षाओं के दौरान ही उस विद्यालय में स्थानांतरित होकर आया था। चार पांच महीने तो विद्यालय में स्वयं को समायोजित करते ही व्यतीत हो जाते हैं कि मुझे जिलाधीश के कार्यालय से पंचायत की ग्राम सभा में विद्यालय प्रतिनिधि के रूप में सम्मिलित होने के निर्देश मिले। मैं निश्चित तिथि को निर्धारित समयानुसार उस स्थान पर पहुँचा परन्तु उस समय पंचायत भवन में ताला लगा हुआ था।

आस्था

भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के घर क्यों जाते हैं

भारत में पुरी मंदिर की जगन्नाथ रथ यात्रा का विशेष महत्व माना जाता है. इस रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ नगर की यात्रा पर निकलते हैं और कुछ दिनों तक पास ही स्थित गुंडिचा मंदिर में विश्राम करते हैं. गुंडिचा मंदिर में विराजमान गुंडिचा देवी को भगवान जगन्नाथ की मौसी के रूप में पूजा जाता है. रथ यात्रा के बाद कुछ दिनों तक भगवान जगन्नाथ अपने मौसी के घर ही रहते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के घर क्यों जाते हैं. आइए आपको बताते हैं इसका कारण. गुंडिचा मंदिर भगवान जगन्नाथ जी की मौसी गुंडिचा देवी को समर्पित है. धार्मिक मान्यता है कि जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भगवान यहां सात दिनों तक रुकते हैं. साथ ही, यह भी मानता है रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा गुंडिचा मंदिर जाते हैं, जहां उनकी मासी उन्हें पीने दो, रसगुल्ला आदि पकवान खिलाकर स्वागत करती हैं.इसके पीछे एक पौराणिक कथा बताई जाती है. इस कथा के अनुसार, एक बार भगवान श्र कृष्ण की बहन सुभद्रा ने भगवान जगन्नाथ से नगर को देखने की इच्छा प्रकट की. तब उनकी इच्छा को पूरा करने के लिए भगवान जगन्नाथ और बलराम सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाने के लिए निकल पड़े. नगर भ्रमण के दौरान वे तीनों अपनी मौसी गुंडिचा के घर भी पहुंचे. तभी से जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर जाते हैं. ऐसा माना जाता है कि जगन्नाथ भगवान अपनी मौसी गुंडिचा देवी के घर इसलिए जाते हैं, क्योंकि वे अपनी मौसी से बहुत प्रेम करते हैं और उनका सम्मान करते हैं.

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप, चित्रकहरीतकी, वासावलेह, स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल, तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप, एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा, श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, बुधवार, 11 जून 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

निधि का वितरण विश्वास में लेकर किया जाएगा

> पालक मंत्री की अध्यक्षता में जिला नियोजन समिति की बैठक

चंद्रपुर, सुनील तायडे

जिला नियोजन समिति की निधि का उपयोग विकास कार्यों के लिए किया जाता है। इन निधियों का वितरण करते समय जिले के सभी जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर वितरण किया जाएगा। साथ ही जिले से संबंधित सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर सभी जनप्रतिनिधियों को साथ लेकर मुख्यमंत्री के साथ बैठक की जाएगी, ताकि जिले के सभी मुद्दों का तत्काल समाधान हो सके, ऐसा राज्य के आदिवासी विकास मंत्री तथा चंद्रपुर जिले के पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके ने कहा।

वे नियोनोज भवन में जिला नियोजन समिति की बैठक में बोल रहे थे। बैठक में सांसद प्रतिभा धानोरकर, डॉ. नामदेव किरसन, विधायक तथा विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार, विधायक सर्वश्री सुधाकर आडवले, अभिजीत वंजारी, किशोर जोरगेवार, कीर्तिकुमार भांगडिया, करण देवताले, देवराव भोंगले, जिला कलेक्टर विनय गौड़ा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुलकित सिंह, पुलिस अधीक्षक मुम्मका सुदर्शन, जिला नियोजन अधिकारी संजय कडू तथा अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वर्ष 2024-25 में सामान्य योजना के कुल 456 करोड़ रुपए, आदिवासी नियोजन योजना के 103 करोड़ रुपए, अनुसूचित जाति नियोजन योजना के 75 करोड़ रुपए विकास कार्यों पर खर्च किए जाने की बात कहते हुए पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके ने कहा कि स्वास्थ्य एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है और जिले के सभी प्राथमिक केंद्रों तथा उपकेंद्रों के लिए निधि उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही इन केंद्रों से अद्यतन सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसके लिए एक विशेष प्रस्ताव भेजा जाना चाहिए। जिले में आंगनवाड़ियों का निर्माण तत्काल पूरा किया जाना चाहिए। नगर पालिका और नगर पंचायत क्षेत्रों में आंगनवाड़ियों को भी निधि प्रदान की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिक योजनाओं से वंचित न रहें, इसके लिए जिले के लिए एक अच्छा प्रस्ताव तैयार किया जाना चाहिए। सभी तालुका स्तरों पर खेल विकास और व्यायामशालाओं के लिए निधि बढ़ाने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है। कर्मवीर कन्नमवार सरकारी मेडिकल कॉलेज सहित ग्रामीण क्षेत्रों में दवाओं के लिए निधि की कमी नहीं होने देंगे। सरकारी मेडिकल कॉलेज से शव को मुफ्त में घर ले जाने के लिए शववाहन की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। जिले में 'बी' और 'सी' ग्रेड तीर्थ स्थलों को भी निधि प्रदान की जाएगी। पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके ने आश्वासन दिया कि सभी जनप्रतिनिधियों को विश्वास में लेकर इस निधि का वितरण किया जाएगा। उन्होंने आज की बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सांसदों और विधायकों ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। *राजसी शिष्टाचार के अनुसार विकास कार्यों का उद्घाटन किया जाना चाहिए:* जबकि सरकारी निधि से विकास कार्यों का उद्घाटन किया जा रहा है, यह शाही शिष्टाचार के अनुसार किया जाना चाहिए। आधारशिला पर जनप्रतिनिधियों के नाम अंकित किए जाएं। ये निर्देश पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके ने दिए।

पालकमंत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कृषि, स्वास्थ्य, वन, पर्यटन, शिक्षा, बेमौसम बारिश से क्षतिग्रस्त पंचनामा, कृषि पंप कनेक्शन, जिला परिषद, पुलिस विभाग तथा अन्य सभी विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही 1 फरवरी 2025 को आयोजित जिला योजना समिति की बैठक के कार्यवृत्त दर्ज किए गए तथा कार्यवृत्त के अनुपालन का अनुमोदन किया गया, वर्ष 2024-25 के लिए जिला वार्षिक योजना के अंतर्गत व्यय का अनुमोदन किया गया तथा वर्ष 2025-26 के अंतर्गत व्यय की समीक्षा की गई।

विदर्भ स्तरीय ओबीसी महिला सम्मेलन का आयोजन

> चंद्रपुर में ओबीसी समुदाय के सामाजिक मुद्दों पर होगा विदर्भ स्तरीय ओबीसी महिला सम्मेलन
> महिला सम्मेलन के मुख्य संयोजक डॉ. जीवतोड़े

चंद्रपुर, सुनील तायडे

माता महाकाली की नगरी चंद्रपुर में ओबीसी महिलाओं का पहला विदर्भ स्तरीय सम्मेलन होने जा रहा है। यह सम्मेलन बुधवार 11 जून को दोपहर 12 बजे स्थानीय जनता कॉलेज के प्रांगण में शुरू होगा। इस सम्मेलन में विदर्भ के सभी जिलों की महिलाएं प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

इस ओबीसी महिला सम्मेलन में महिलाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी और प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। ओबीसी समुदाय के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लिए गए सरकारी निर्णयों की जानकारी दी जाएगी। दहेज पीड़िता स्वर्गीय वैष्णवि हागवने और अब तक दहेज पीड़िता रही सभी महिलाओं को श्रद्धांजलि दी जाएगी। दहेज पीड़िताओं और महिलाओं पर अत्याचार के मामलों की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में करने की मांग की जाएगी। ओबीसी समाज में महिलाओं के प्रति अमानवीय परंपराओं और अनुचित व्यवहारों के अंत पर चर्चा कर ओबीसी समाज के लिए आदर्श आचार संहिता तैयार की जाएगी। सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के साथ अनुवर्ती कार्रवाई करने का संकल्प लिया जाएगा। महिलाओं की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की जाएगी और राज्य और केंद्र सरकारों से संबंधित ओबीसी समाज की मांगों पर चर्चा कर इस संबंध में संकल्प लिया जाएगा। महाराष्ट्र स्तर पर अगला ओबीसी महिला सम्मेलन आयोजित करने के बारे में भी चर्चा होगी। विदर्भ स्तर पर ओबीसी महिला सम्मेलन आयोजित करके, वर्तमान में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों की पृष्ठभूमि में ओबीसी महिलाओं में जागरूकता पैदा करने, उनमें आत्मविश्वास पैदा करने, सभी स्तरों पर महिला सुरक्षा और लैंगिक समानता को प्राथमिकता देने, महिला शक्ति का सम्मान करने और विशेष रूप से ओबीसी समाज में सामाजिक मुद्दों पर आदर्श आचार संहिता निर्धारित करने के उद्देश्य से ओबीसी महिला सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, ऐसा सम्मेलन के मुख्य संयोजक डॉ. अशोक जीवतोड़े ने कहा। आयोजकों ने कहा है कि इस विदर्भ स्तरीय ओबीसी महिला सम्मेलन के अवसर पर पहली बार एक ऐतिहासिक सामाजिक प्रयोग किया जा रहा है।

राजुरा पत्रकार संघ की ओर से मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया

राजुरा (संतोष कुंदोजवार).

राजुरा पत्रकार संघ, राजुरा के सौजन्य से राजुरा तालुका में फरवरी 2025 में कक्षा 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन छत्रपति शिवाजी महाराज संकुल (सुपर मार्केट हॉल), राजुरा में सुबह 11 बजे किया गया। इस अवसर पर राजुरा शहर और तालुका के 80 मेधावी विद्यार्थियों को पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक देवराव भोंगले के हाथों हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक एडवोकेट वामनराव चटप ने की, मुख्य अतिथि तहसीलदार डॉ. ओमप्रकाश गोंड, पुलिस निरीक्षक सुमित परतेकी, गट शिक्षणाधिकारी मंगल तोड़े, शिक्षण विस्तार अधिकारी सावन चालकुरे, पत्रकार डॉ. उमाकांत धोटे, प्रा. बी.यू. बोरडेवार, राजुरा पत्रकार संघ के अध्यक्ष श्रीकृष्ण गोरे और अन्य गणमान्य लोग मंच पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर विधायक देवराव भोंगले ने कहा कि विद्यार्थी देश के आधार स्तंभ हैं और सभी को कड़ी मेहनत कर जीवन में सफलता प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि माताएं, पिता अपने गांव का नाम रोशन करें और कोई भी परेशानी हो तो हमारे जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों से संपर्क करें, हम पूरी ताकत से मदद करेंगे। पूर्व विधायक व वामनराव चटप और तहसीलदार ओमप्रकाश गौड़ ने अपने जीवन के अनुभव सुनाए और विद्यार्थियों से असफलता से घबराए बिना दृढ़ संकल्प के साथ संघर्ष करने की अपील की। कार्यक्रम का परिचय राजुरा पत्रकार संघ के अध्यक्ष श्रीकृष्ण गोरे ने दिया, कार्यक्रम का संचालन सचिव एजाज अहमद ने किया और धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल शेंडे ने दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजुरा जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष - श्रीकृष्ण गोरे (द. सकाल), सचिव इजाज अहमद (लोकमत समाचार), उपाध्यक्ष संतोष कुंडोजवार (नागपुर मेट्रो समाचार), उपाध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल शेंडे (महाविदर्भ), कार्यकारी अध्यक्ष सैयद जाकिर (महासागर), कोषाध्यक्ष मंगेश बोरकुटे (पुण्यनगरी), संयुक्त सचिव साहिल सोलंके (नवगराष्ट्र, सुवर्ण महाराष्ट्र), सदस्य वसंत पोटे शामिल थे। (हितवाद), मनोज अत्राम (सकल), फारूक शेख (लोकमत मामाचार), शाहनवाज कुरेशी (विदर्भ की धारा), अमित जयपुरकर (महासागर), सागर भटपल्लीवार (सर्च टीवी), मंगेश श्रीराम (दैनिक भास्कर), उमेश मार्शेट्टीवार (विदर्भ कल्याण), बंडू वनकर (देशोन्नति), प्रकाश काले (लोकमत), अविनाश दोरखंडे (प्रेस फोटोग्राफर) आदि ने कड़ी मेहनत की।

निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग बना जानलेवा

> मेरी बेटी की दुपहिया वाहन दुर्घटना में मौत
> लगातार हो रही दुर्घटनाओं और मौतों से नागरिकों में प्रशासन के प्रति गहरा असंतोष

राजुरा, संतोष कुंदोजवार

बल्लारपुर और राजुरा के बीच निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक अज्ञात ट्रक द्वारा दोपहिया वाहन को टक्कर मारने से राजुरा की एक युवती और उसकी मां की मौके पर ही मौत हो गई। यहां लगातार हो रही दुर्घटनाओं और मौतों के कारण क्षेत्र के नागरिक राष्ट्रीय राजमार्ग के काम के खिलाफ कड़ा आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं।

राजुरा के पेठ वार्ड की रहने वाली ज्योति बंडू रागीट उम्र 42 साल और उनकी बेटी सेजल बंडू रागीट उम्र 8 साल एमएच 34 बीएन 5538 नंबर के दोपहिया वाहन पर राजुरा से बल्लारपुर जा रही थीं, तभी वर्धा नदी पर बने पुल को पार करने के बाद जलाराम बप्पा मंदिर के पास एक ट्रक ने उनके दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। जिसमें बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। बामणी-राजुरा से आदिलाबाद तक राष्ट्रीय राजमार्ग को चौड़ा करने का काम शुरू होने वाला है। सड़क की ऊंचाई बढ़ाने के लिए मिट्टी के टीले बिछाए गए थे। कोई ठोस योजना न होने के कारण इन टीलों की मिट्टी सड़क पर आ रही है। बारिश के दौरान यह खिसक जाती है और बारिश न होने पर यहां धूल का साम्राज्य देखने को मिलता है। हाल ही में हुई बारिश के दौरान सड़क कीचड़ से भर गई और कई लोगों को अपनी जान हथेली पर रखकर इस मार्ग पर यात्रा करनी पड़ रही है। इस मार्ग पर यात्रियों को हमेशा कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है और समय रहते उचित कदम उठाना जरूरी है, नहीं तो कई लोगों को अपनी जान गंवाने का डर बना रहता है।

वैदु हर्बल औषधि के माध्यम से लोगों की सेवा करने वाले स्वास्थ्य राजदूत हैं : पालक मंत्री डॉ. अशोक उइके

चंद्रपुर.

> प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी सभागृह में एक दिवसीय वैदु सम्मेलन

आयुर्वेदिक उपचार मानव जीवन के लिए वरदान है : विधायक किशोर जोरगेवार

वन विभाग ने आयुर्वेदिक और पारंपरिक उपचार पद्धतियों को बढ़ावा देने का काम शुरू किया है। आयुर्वेदिक उपचार मानव जीवन के लिए वरदान है और आयुर्वेद रोगों को पूरी तरह से खत्म करता है, ऐसा विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि जंगल से हर्बल औषधियां गायब हो रही हैं। इसलिए, मुख्यमंत्री द्वारा घोषित 10 करोड़ वृक्षारोपण अभियान में औषधीय पौधे लगाए जाने चाहिए। साथ ही, आयुर्वेद के अनुसार उपचार करने वाले प्रसिद्ध गांवों की सूची प्रकाशित की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि वैदू को उधार निर्वाण के इलाज के लिए कुछ राशि दी जाए या मानदेय देना शुरू किया जाए। विधायक करण देवतले ने कहा कि चंद्रपुर क्षेत्र में बड़ी मात्रा में जंगल और वनस्पति है। हमारे जिले में आयुर्वेद के लिए उपयोगी पौधे पाए जाते हैं। उन्होंने अपील की कि इस कार्यक्रम के माध्यम से आयुर्वेद के बारे में अच्छा मार्गदर्शन मिलेगा, सभी को इस कार्यक्रम का लाभ उठाना चाहिए। इस अवसर पर सांसद डॉ. नामदेव किरसान सहित डॉ. सूर्याक्ष गभाने, डॉ. एस.एच. पाटिल ने भी मार्गदर्शन किया। इससे पहले, गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पुस्तिका "महाराष्ट्र के हर्बल पौधे" का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का परिचय ताड़ोबा अंधारी बाघ परियोजना के निदेशक प्रभुनाथ शुक्ला ने दिया।

पारंपरिक चिकित्सा भारत की देन है और वैदु यानी की ग्रामीण चिकित्सक ने जंगल से हर्बल औषधि के माध्यम से लोगों की सेवा करते हुए गांव में स्वास्थ्य राजदूत के रूप में अपनी पहचान बनाई है, ऐसा राज्य के आदिवासी विकास मंत्री और चंद्रपुर जिले के पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके ने कहा।

वे प्रियदर्शिनी इंदिरा गांधी सभागृह में वन विभाग द्वारा आयोजित वैदु सम्मेलन में बोल रहे थे। इस अवसर पर सांसद डॉ. नामदेव किरसान, विधायक किशोर जोरगेवार, करण देवतले, जिलाधिकारी विनय गौड़ा जी.सी., मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुलकित सिंह, ताड़ोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व के निदेशक प्रभुनाथ शुक्ला, उपनिदेशक आनंद रेड्डी, कुशाग्र पाठक, सुभाष कासंगुट्टुवार, एस.एच. पाटिल आदि उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के वैदू से संवाद और संपर्क करना बताते हुए पालकमंत्री डॉ. उइके ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी वैदू पर भरोसा है। वे समर्पण भाव से सेवा करते हैं। हर्बल दवाइयों के माध्यम से वैदू के पास जो ज्ञान है, उसका लाभ लोगों को मिलना चाहिए। इसलिए आपके पास जो ज्ञान है, उसे लिखित रूप में रखना चाहिए। अपने अनुभव, अपने ज्ञान को अपने परिवार के साथ साझा करें। हर्बल दवाइयों के माध्यम से उपचार की विधि के बारे में दूसरों को बताएं। इसलिए भविष्य में हर्बल दवाइयों से कई रोगियों को ठीक किया जा सकता है। ऐसा करने पर ही पारंपरिक ज्ञान जीवित रहेगा। ज्ञान को लिखित रूप में बदला जाए तो आपके बाद नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा। हम जंगल से वनोपज एकत्र करने वाले वैदुओं या ग्रामीण डॉक्टरों को मानदेय दिलाने का प्रयास करेंगे। वैदुओं की उपचार पद्धति आज भी महत्वपूर्ण है। पालकमंत्री होने के नाते हम उनकी समस्याओं को हल करने का प्रयास जरूर करेंगे। यह सिर्फ एक दिवसीय सम्मेलन नहीं है, बल्कि आने वाले दिनों में वैदुओं को न्याय दिलाने के लिए इस तरह का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। साथ ही, वन विभाग को हर्बल औषधियां एकत्र करने के लिए उन्हें पहचान पत्र जारी करना चाहिए, ऐसा पालकमंत्री डॉ. अशोक उइके ने कहा।

22 फिल्मों में अमिताभ बच्चन बने 'विजय'

अमिताभ बच्चन 82 साल की उम्र में भी लगातार फिल्मों में काम करते हुए नजर आ रहे हैं. उनके पास पाइपलाइन में कई बड़े प्रोजेक्ट्स भी मौजूद हैं. उनके पास कल्कि 2 भी अपकमिंग प्रोजेक्ट की लिस्ट में शामिल है.हालांकि शुरुआती दौर में अमिताभ बच्चन ने लगातार 12 फिल्में फ्लॉप रिलीज की थीं. लेकिन उन्होंने लगातार फ्लॉप फिल्मों के बाद भी हार नहीं मानी थी. वो लगातार फिल्में किए जा रहे थे. फिर वो वक्त भी आया जब वो एंग्री यंग मैन बन गए.साल 1973 में जब फिल्म 'जंजीर' आई, तो इसने अमिताभ बच्चन की किस्मत ही बदल दी.

इस फिल्म में एक्टर के किरदार का नाम विजय रखा गया था. 'जंजीर' में अमिताभ बच्चन ने इंस्पेक्टर 'विजय खन्ना' के किरदार में नजर आए थे. ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और इसे खूब पसंद किया गया.'जंजीर' के ब्लॉकबस्टर होते ही लगभग 22 फिल्मों में अमिताभ बच्चन के किरदार का नाम विजय रखा गया. पुराने दौर में इंडस्ट्री में एक रिवाज था और उस रिवाज के चलते जिस भी नाम से किसी एक्टर की फिल्म सुपरहिट होती, फिर अगली फिल्मों में उसे वहीं नाम दिया जाता था.दरअसल अमिताभ बच्चन शुरुआत में जहां नौकरी करते थे वहां उनके बॉस का नाम विजय चौहान था, जो उनके काफी पसंद आया करता था. इस वजय से अमिताभ ने अपनी फिल्मों में अपना नाम विजय रखना पसंद किया.जावेद अख्तर ने भी एक बार अमिताभ की तारीफ करते हुए कहा था कि वो हर चीज में विजय पाते हैं इसलिए उनका नाम 'विजय' रखा जाता है. साल 1973 से 'जंजीर' से शुरू हुआ ये सिलसिला साल 2010 में आई फिल्म 'रण' तक जारी रहा.

मातृत्व के बाद वजन बढ़ने से रेणुका शहाणे हुई ट्रोल

बॉलीवुड की कई फिल्में लोगों के काफी करीब होती हैं, साथ ही उसके किरदार को भी लोग लगभग असल का ही मानने लगते हैं. ऐसी ही फिल्म थी हम आपके हैं कौन, जो कि साल 1994 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म के किरदारों को लोगों ने खूब प्यार दिया था. उन्हीं में से एक किरदार रेणुका शहाणे ने भी निभाया था, जिन्हें अभी भी लोग सलमान खान की भाभी के तौर पर पहचानते हैं. रेणुका काफी कमाल की एक्ट्रेस हैं, उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से काफी लोगों के दिल जीते हैं. रेणुका के प्रोफेशनल लाइफ के बारे में लोगों को काफी कुछ पता है, लेकिन जहां उनकी पर्सनल लाइफ की बात आती है, तो इस मामले में वो लोगों के बीच कम बात करते दिखाई देती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस एक पॉडकास्ट में शामिल हुई, इस दौरान उन्होंने अपने मां बनने के एक्सपीरियंस को शेयर किया. दरअसल, टीवी एक्ट्रेस गौहर खान ने खुद का एक पॉडकास्ट शुरू किया है, जिसका नाम मां नोरंजन है, जिसमें रेणुका ने शिरकत की है.अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करते हुए रेणुका ने बताया कि एक्टर आशुतोष राणा से उन्होंने 35 साल की उम्र में शादी की थी. शादी के तुरंत बाद ही दोनों ने अपनी फैमिली प्लानिंग भी शुरू कर दी थी. एक्ट्रेस ने बताया कि शादी के अगले ही साल

उन्होंने अपने पहले बच्चे का वेलकम किया, जिसके बाद उन्हें लगा कि सब कुछ सही से होने लगेगा, क्योंकि वो फिजिकली और मेंटली तौर पर काफी कुछ सह रही थीं, लेकिन ऐसा हुआ नहीं.रेणुका ने बताया कि उनके पति आशुतोष के फ्रेंड डॉक्टर थे, जो अपनी पत्नी के साथ डिलीवरी के बाद मिलने आए थे. एक्ट्रेस ने कहा, जब वो आए, तो उनका पहला शब्द यही था कि अब तुम्हें अपना वजन कम करना पड़ेगा, जो कि उस वक्त मुझे काफी अजीब लगा था.

4 सालों में ऐसा रहा कमल हासन का ट्रैक रिकॉर्ड

साउथ सुपरस्टार कमल हासन ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है. वे इंटरनेशनल स्टार हैं और उनकी फिल्मों को दुनियाभर में खूब पसंद किया जाता है. आज भी वे 70 साल की उम्र में काफी फिट हैं और लीड रोल प्ले कर रहे हैं. मगर उनकी सभी फिल्में वैसा परफॉर्म नहीं कर पा रही हैं. पिछले कुछ सालों में उनकी बड़े बजट की फिल्में आई हैं. उनके ऊपर अरबों का दांव खेला गया है. लेकिन फिल्में ना चल पाने की वजह से सिर्फ कमल हासन ही नहीं बल्कि प्रोड्यूसर को भी इसका नुकसान उठाना पड़ रहा है. आइये में आइये जानते हैं कि पिछले 4 सालों में कमल हासन की कितनी फिल्में आई हैं और उन्होंने बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म किया है.कमल हासन फिल्म इंडस्ट्री के बड़े सुपरस्टार है. मेकर्स का भरोसा तो वे पहले ही जीत चुके हैं. अब तो वे खुद भी अपनी फिल्मों को को-प्रोड्यूस करते हैं. वे अपने आप में एक ब्रैंड वेल्यू हैं. तभी तो उनपर पिछले 4 सालों में 1200 करोड़ रुपए दांव पर लगाए गए हैं. उनकी 4 फिल्मों का बजट मिला लिया जाए तो ये 1170 करोड़ रुपए का बैठ रहा है. ये अपने आप में बड़ी बात है. लेकिन ऐसा नहीं है कि कमल हासन मेकर्स की उम्मीदों पर पूरी तरह से खरे उतरे हैं. उनकी 2 फिल्में सुपरहिट रही हैं तो एक फ्लॉप भी रही है

कपूर के फैसले ने बदली 'हाउसफुल 5' की कास्ट

'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की फिल्म को शुरू से ही लोगों ने काफी पसंद किया है, हाल ही में इस फ्रेंचाइजी की पांचवीं किस्त रिलीज की गई है, जो कि कमाल की है. फिल्म ने एक हफ्ते के अंदर ही 100 करोड़ का आंकड़ा छू लिया है. लोगों के रिएक्शन फिल्म को लेकर मिक्स्ड हैं. ये मल्टीस्टारर फिल्म है, जिसमें 19 एक्टर्स शामिल हैं. हालांकि, फिल्म में अनिल कपूर और अमिताभ बच्चन को भी शामिल करने की बात चल रही थी, लेकिन बाद में बात नहीं बनी.अक्षय कुमार और रितेश देशमुख की जोड़ी की इसके पहले भी हाउसफुल फिल्म में देखा गया है,

लेकिन इस बार इसकी तिकड़ी में अभिषेक बच्चन शामिल थे. फिल्म में संजय दत्त और जैकी श्रॉफ को एक साथ देखना उनके फैंस के लिए काफी मजेदार था. दोनों पुलिस के किरदार में सामने आए थे, लेकिन हाल ही में सूत्रों से पता चला है कि पहले ये रोल अनिल कपूर और नाना पाटेकर को दिया जा रहा था, अगर ऐसा होता तो वेलकम फिल्म के उदय और मजनू हमें वापस देखने को मिल सकते थे.बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े एक सोर्स के हवाले से बताया गया है कि मेकर्स ने अनिल कपूर को रोल ऑफर किया था, लेकिन उन्होंने इसके लिए मना कर दिया था. जिसके बाद पुलिस के रोल के लिए जैकी श्रॉफ और संजय दत्त को चुना गया था. जैकी श्रॉफ और संजय दत्त को साल 1993 में आई फिल्म 'खलनायक' में साथ देखा गया था. वहीं ये भी खुलासा हुआ कि फिल्म में सीनियर पुलिस ऑफिसर के लिए अमिताभ बच्चन को अप्रोच किया गया था.नाना पाटेकर ने 'हाउसफुल 5' में जो किरदार निभाया है, वो पहले अमिताभ बच्चन के सामने रखी गई थी, लेकिन बिग बी ने इससे मना कर दिया था. फिल्म की कास्ट की खबरें जब आना शुरू हुई, तो बताया जा रहा था कि अनिल कपूर ने फीस के चलते फिल्म को रिजेक्ट किया था. अनिल कपूर और अमिताभ बच्चन के अलावा बोमन ईरानी का भी फिल्म में शामिल होने की बात थी.

अनुपमा की 'ऑनस्क्रीन बेटी' राही रियल लाइफ में हैं बेहद ग्लैमरस

स्टार प्लस का पॉपुलर टीवी शो 'अनुपमा' में नया ट्रैक आ गया है. जहां सालों से अकेले रह रही अनुपमा की बेटी राही से मुलाकात होगी. पर वो मिलकर भी अपनी मां को खूब सुनाएगी. शो का नया प्रोमो देखकर लोग राही यानी अद्रिजा रॉय को खूब ट्रोल कर रहे हैं. वहीं मेकर्स को भी जबरदस्ती कहानी खींचने के लिए सुना रहे हैं. दरअसल शो में अनुपमा की बेटी राही का किरदार अद्रिजा रॉय निभा रही हैं.राही का रोल कर रहीं अद्रिजा रॉय को यह शो रातों-रात मिल गया था. दरअसल वो पहले

'इमली' और 'कुंडली भाग्य' में भी काम कर चुकी हैं. दोनों ही शोज में अपने रोल से घर-घर पहचान बनाई थी. जैसे ही कुंडली भाग्य बंद हुआ, तो अनुपमा के लिए अद्रिजा रॉय को चुन लिया गया. हालांकि, जो पहले राही का किरदार निभा रही थीं, उसे बाहर कर दिया गया

.अनुपमा में कोठारी परिवार की बड़ी बहू बनीं अद्रिजा रॉय रियल लाइफ में काफी ग्लैमरस हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बाली की तस्वीरें शेयर की. जिसके

बाद से ही उनकी तस्वीरों पर प्यार बरसाया जा रहा है. एक्ट्रेस को इंस्टाग्राम पर 1 मिलियन लोग फॉलो करते हैं.अद्रिजा रॉय का ग्लैमर के मामले में कोई जवाब नहीं है. दरअसल एक्ट्रेस की उम्र बस 25 साल है. लेकिन स्टाइल और एक्टिंग से दूसरी एक्ट्रेस को टक्कर देती हैं. कोलकाता की अद्रिजा ने बंगाली सीरीज 'बेदिनी मोलुआर कोठा' से करियर की शुरुआत की थी.दरअसल एक्ट्रेस बंगाली टीवी शोज में काफी काम कर चुकी हैं. इसके अलावा दो बंगाली फिल्मों में भी काम किया है. अब अनुपमा में प्रेम की पत्नी बनी हैं. राही के लुक्स सोशल मीडिया पर काफी वायरल होते रहते हैं. हालांकि, रियल लाइफ में उनकी रुपाली गांगुली से अच्छी बॉन्डिंग है.

10 साल बड़े करण को डेट कर रहीं तेजस्वी

10 जून 1993 को सउदी अरब के जेद्दा में एक ऐसी एक्ट्रेस का जन्म हुआ था, जिन्होंने भारतीय टीवी इंडस्ट्री में बड़ी पहचान बनाई. वहीं बिग बॉस जैसे चर्चित और विवादित रियलिटी शो को जीतकर वो हर किसी की जुबां पर आ गईं थीं. यहां बात हो रही तेजस्वी प्रकाश की. तेजस्वी प्रकाश आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. उन्होंने कम उम्र में ही काफी नाम कमा लिया है और उनके पास आज सुख सुविधा की हर एक चीज मौजूद है.तेजस्वी प्रकाश अपनी पर्सनल लाइफ से भी अक्सर ही सुर्खियों का हिस्सा बन जाती हैं. ये तो हर कोई जानता है कि तेजस्वी लंबे समय से मशहूर एक्टर करण कुंद्रा को डेट कर रही हैं, लेकिन करण से पहले भी उनका नाम एक शख्स से जुड़ चुका है. आइए आपको बताते हैं कि आखिर पहले तेजस्वी के अफेयर की अफवाहें किसके साथ उड़ी थीं?तेजस्वी प्रकाश जब रोहित शेट्टी के मशहूर स्टंट शो 'खतरों के खिलाड़ी' के 10वें सीजन में काम कर रही थीं, तब उनका नाम टीवी अभिनेता शिविन नारंग से जुड़ा था. तब फैंस ने दोनों को ट्विन नाम से भी बुलाना शुरू कर दिया था. आखिरकार तेजस्वी को इस मामले में अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ी और उन्होंने शिविन को अपना अच्छा दोस्त बताया था.तेजस्वी ने साल 2021 में शो '2612' से अपने टीवी करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद वो 'स्वरागिनी' से पहचान बनाने में कामयाब हुईं. वहीं फिर उन्हें 'पहरेदार पिया की', 'सिलसिला बदलते रिश्तों का' और 'नागिन 6' जैसे सीरियल्स में भी देखा गया. वहीं 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी', 'किचन चैंपियन 5' और 'कॉमेडी नाइट्स लाइव', जैसे रियलिटी शोज का भी तेजस्वी हिस्सा रहीं. एक्ट्रेस ने बिग बॉस 15 का खिताब भी अपने नाम किया था.

गौरी खान ने स्टाफ के लिए लिया किराए का फ्लैट

शाहरुख खान और उनका परिवार इस वक्त अपने बंगले मन्नत में नहीं रहा है. दरअसल कुछ वक्त से मन्नत में रिनोवेशन का काम किया जा रहा है, जिसके चलते किंग खान को मन्नत खाली करना पड़ा और किराए पर रहना पड़ रहा है. मन्नत में शाहरुख ही नहीं, बल्कि उनके घर पर काम करने वाले भी कई लोग रहा करते थे. ऐसे में अब उनके लिए भी गौरी खान ने मुंबई में एक फ्लैट किराए पर लिया है. ये फ्लैट पंकज सोसाइटी में लिया गया है और इसका हर महीने का किराया 1.35 करोड़ रुपये होगा. दरअसल ये सोसाइटी उस जगह से करीन 100 मीटर ही दूर है, जहां गौरी और शाहरुख ने अपने रहने के लिए डुप्लेक्स किराए पर लिया है.रिपोर्ट की मानें तो ये फ्लैट 725 स्क्वायर फीट का है. फ्लैट चौथी मंजिल पर है और इसे संजय किशोर रमानी नाम के शख्स से किराए पर लिया गया है. इसके लिए गौरी की ओर से 4.05 लाख रुपये सिक्योरिटी डिपॉजिट भी की गई है. इस फ्लैट का तीन साल के लिए हुआ और हर साल इसके किराए में 5 फीसदी की बढ़ोतरी का वादा भी किया गया है. इससे पहले रिपोर्ट्स में बताया गया था कि शाहरुख की पत्नी गौरी ने खार के पाली हिल में दो डुप्लेक्स 8.67 करोड़ रुपये में किराए पर लिया है. ये भी उन्होंने तीन साल के लिए ही लिया है.शाहरुख खान के फिल्मों की बात करें तो वो इस वक्त अपनी अगली फिल्म 'किंग' में बिज़ी है.

ऑस्ट्रेलियाई की प्लेइंग 11 घोषित

लंदन. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) फाइनल के लिए साउथ अफ्रीका के बाद अब ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भी प्लेइंग 11 का ऐलान कर दिया है. 11 जून से लॉर्ड्स के मैदान में होने वाले इस खिताबी मुकाबले के लिए दोनों टीमें कमर कस चुकी हैं. खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में शामिल किया गया है. शायद वो उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं. ऑस्ट्रेलियाई टीम इस खिताब को डिफेंड करने के लिए मैदान में उतरेगी, क्योंकि पिछली बार डब्लूटीसी के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने टीम इंडिया को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था. जबकि साउथ अफ्रीकी टीम पहली बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची है. ऐसे में वो इस ट्रॉफी को हर हाल में जीतना चाहेगी.

31 साल के इस खिलाड़ी को मिली प्लेइंग 11 में जगह

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 में एक ऐसा नाम है, जिसे देखकर सभी लोग चौंक गए हैं. इस टीम में व्यू वेब्स्टर को शामिल किया गया है, जिन्होंने अभी तक केवल तीन टेस्ट मैच ही खेला है. ऑस्ट्रेलिया के 31 साल के इस ऑलराउंड को जॉश इंग्लिश की जगह टीम में शामिल किया गया है. इसकी वजह उनका गेंदबाजी करना भी है. व्यू वेब्स्टर ने अभी तक केवल तीन टेस्ट मैच खेले हैं. जिसमें उन्होंने 50 की औसत से 150 रन बनाए हैं. इसमें एक अर्धशतक भी शामिल है. इसके अलावा वो तीन विकेट भी चटकाए हैं.

मार्नस लाबुशेन कर सकते हैं ओपनिंग

रन बनाने के लिए जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को प्लेइंग 11 में जगह दी गई है. वो उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं. ऑस्ट्रेलियाई टीम उनके अनुभव को तरजीह देते हुए उन्हें टीम में शामिल किया है. हालांकि वो एशेज 2023 के बाद एक भी शतक लगा नहीं पाए हैं. इस दौरान उनका औसत भी 28 के आसपास रहा है. विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी एलेक्स कैरी को दी गई. जबकि तेज गेंदबाजी की कमान पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जॉश हेजलवुड संभालेंगे. नाथन लायन को एकमात्र स्पिनर के रूप में टीम में शामिल किया गया है.

डब्लूटीसी फाइनल के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11

उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, व्यू वेब्स्टर, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस

ऋषभ पंत ने तोड़ दी लॉर्ड्स की छत

लंदन. ऋषभ पंत ने लॉर्ड्स की छत तोड़ दी है. क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स पर ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच डब्लूटीसी का फाइनल खेला जाने वाला है. मगर उससे पहले ही ऋषभ पंत ने अपने एक करारे छक्के से लॉर्ड्स का छत ब्रेक कर दिया है. अब अगर उनके बल्ले से निकलने वाले एक छक्के का असर ऐसा है तो जरा सोचिए कि टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड पर कहर कैसा टूटेगा? ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम के उप-कप्तान भी हैं.

ऋषभ पंत ने कैसे तोड़ी लॉर्ड्स की छत

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 20 जून से हो रही है. दोनों टीमों के बीच पहला मैच लीड्स में खेला जाएगा है. हालांकि, उससे पहले टीम इंडिया लॉर्ड्स में पसीना बहाती दिखी, जहां 11 जून से डब्लूटीसी फाइनल की शुरुआत होने जा रही है. लॉर्ड्स में चल रहे टीम इंडिया के प्रैक्टिस सेशन के दौरान ऋषभ पंत ने नेट्स पर वाशिंगटन सुंदर के खिलाफ एक करारा शॉट खेला, जिसके बाद गेंद सीधा लॉर्ड्स की छत पर जाकर गिरी. गेंद जहां गिरी वहां दरार पड़ गई मतलब वो जगह टूट गई. वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि ऋषभ पंत ने कैसे घुटने पर बैठकर सुंदर की गेंद पर अटैक किया. गेंद को उनके बल्ले से टकराने के बाद सिर्फ 2 सेकंड लॉर्डस की छत पर लैंड करने में लगे. फिर जो तस्वीर नजर आई वो किसी को डराने या सताने वाली हो या ना हो मगर इंग्लैंड की टीम उसे देख जरूर सकते में आ सकती है.

इंग्लैंड में निखर जाता है पंत का खेल वैसे भी इंग्लैंड की जमीन पर ऋषभ पंत का खेल जरा हटके ही नजर आता है. साल 2022 के पिछले दौरे की ही बात करें तो वहां उन्होंने एक ही मैच में 203 रन 101.50 की औसत से बना दिए थे. इंग्लैंड में पंत के नाम 8 मैचों में 2 शतक के साथ 511 रन दर्ज हैं. इस बार अपने पिछले दौरे के प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए पंत की कोशिश इंग्लैंड में खुद के ओवरऑल रिकॉर्ड को और संवारने की होगी.

बल्लेबाजों की मौज या तेज गेंदबाज होंगे हावी

11 जून से लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चक्र का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा. दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच खिताबी जंग होगी. यहां जानें फाइनल मुकाबले में लॉर्ड्स की पिच का मिजाज कैसा रहेगा? फाइनल मुकाबले के लिए ग्रीन टॉप तैयार किया जा रहा है. वैसे भी इंग्लैंड में पिच तेज गेंदबाजों के लिए मुफीद रहती हैं. एक बार फिर यहां तेज गेंदबाज कहर ढा सकते हैं. यहां की पिच पर गेंद सीम और स्विंग दोनों होगी. हालांकि, अगर बल्लेबाज सेट हो जाए तो फिर यहां रन बनाना भी इतना मुश्किल नहीं रहता है. अगर पहले खेलने वाली टीम ने 300 प्लस का आंकड़ा छू लिया तो फिर उसे हराना मुश्किल होगा.

आरसीबी की बिक्री की खबरों पर यूएसएल ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 का खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की बिक्री को लेकर प्रशंसकों के सामने एक अच्छी खबर सामने आई है, जिसमें कहा गया था कि यूनाइटेड स्पिरिट्स की मूल कंपनी डियाजियो आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में अपनी हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है। मीडिया में यह खबर आते ही यूनाइटेड स्पिरिट्स के शेयर 10 जून को 3 प्रतिशत से अधिक चढ़कर पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। हालांकि अब इसको लेकर यूनाइटेड स्पिरिट्स ने तुरंत स्पष्टीकरण जारी किया है, जिसमें इस तरह के किसी भी गतिविधि में शामिल होने से साफ इनकार किया गया है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसए) के साथ एक विनियामक फाइलिंग में यूनाइटेड स्पिरिट्स ने कहा कि मीडिया रिपोर्ट में इसको लेकर अटकलें थीं। हिस्सेदारी बिक्री के बारे में कोई चर्चा नहीं चल रही थी। यूनाइटेड स्पिरिट्स ने कहा है कि, यह आपके 10 जून 2025 के ईमेल का संदर्भ है, जिसमें आरसीबी की संभावित हिस्सेदारी बिक्री के संबंध में मीडिया रिपोर्टों पर कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। कंपनी यह स्पष्ट करना चाहती है कि उपरोक्त मीडिया रिपोर्टें में अटकलें हैं और यह ऐसी किसी भी चर्चा को आगे नहीं बढ़ा रही है। दरअसल, यह स्पष्टीकरण उस रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें बताया गया था कि डियाजियो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कुछ या पूरी हिस्सेदारी बेचने के लिए सलाहकारों से बातचीत कर रही है, जिसमें 17,000 करोड़ रुपए की डील की बात कही जा रही थी। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और डियाजियो अंततः बिक्री के साथ आगे नहीं बढ़ने का फैसला कर सकती है। आईपीएल की सबसे लोकप्रिय फ्रैंचाइजी में से एक आरसीबी को मूल रूप से विजय माल्या ने खरीदा था। किंगफिशर एयरलाइंस 2012 में बंद होने के बाद माल्या के स्पिरिट्स व्यवसाय को खरीदने के बाद डियाजियो ने टीम का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को एक करीबी मुकाबले में छह रन से हराकर अपना पहला आईपीएल खिताब जीता। इस तरह की हलचल के बावजूद यूनाइटेड स्पिरिट्स के शेयरों में सकारात्मक रुख दिखा, जिसमें मार्च तिमाही में कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन का भी योगदान रहा।

इंग्लैंड दौरे पर भारत के सामने खड़ी हुई समस्या

लंदन. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) 2023-25 के दौरान अपने टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले टीम इंडिया के एक सलामी बल्लेबाज से भारतीय टीम को डर लगने लगा है. इस खिलाड़ी ने डब्लूटीसी 2023-25 के दौरान 52.88 की औसत से 1798 रन बनाए हैं, इसके बावजूद इंग्लैंड दौरे पर ये क्रिकेटर टीम के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बना हुआ है. 20 जून से भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने जा रही है. इसी दिन से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की शुरुआत होने जा रही है. इसकी वजह से इंग्लैंड और भारत के लिए पांच टेस्ट मैचों की ये सीरीज काफी महत्वपूर्ण है. इसको लेकर दोनों टीमें कोई लापरवाही बरतना नहीं चाहती हैं. दोनों टीमें अपनी हर एक कमियों पर काम कर रही हैं, लेकिन टीम इंडिया की एक कमी अभी तक दूर नहीं हो पाई है, जो यशस्वी जायसवाल के रूप में उनके सामने खड़ी है.

टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इस समय रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं. वो इंग्लैंड लायंस के खिलाफ चार पारियों में केवल एक अर्धशतक ही लगा पाए हैं. बाकी तीन पारियों में वो केवल 24, 5 और 17 रन ही बना पाएं हैं. उनकी ये खराब फॉर्म टीम इंडिया के लिए चिंता का विषय बनी हुई है.

टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी सलामी बल्लेबाजों पर होती है, अगर उनकी ओपनिंग जोड़ी फ्लॉप हो जाती है तो मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ जाता है. ऐसे में शुभमन गिल की अगुवाई में भारतीय टीम यशस्वी जायसवाल से इंग्लैंड के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है. जैसा उन्होंने अपने टेस्ट क्रिकेट के डेब्यू मैच में किया था.

यशस्वी जायसवाल ने डब्लूटीसी 2023-25 के दौरान ही अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी. उन्होंने 12 जुलाई 2023 को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया था. यशस्वी ने अपने डेब्यू मैच में ही शानदार शतक लगाकर सबको चौंका दिया था. उन्होंने इस मैच में 171 रनों की पारी खेली थी. इसके बाद उनका बल्ला लगातार रन उगलने लगा. उन्होंने अब तक 19 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 52.88 की औसत से 1798 रन बनाए हैं. इसमें चार शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं. इस दौरान वो दो दोहरा शतक भी लगा चुके हैं, लेकिन अब यही बल्लेबाज टीम इंडिया के

महिला अंपायर से भिड़ना पड़ा अश्विन पे भारी

नई दिल्ली. भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने हाल ही में तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) 2025 के एक मैच में अपना आपा खो दिया था, जिसके कारण उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी. दिंडिगुल ड्रेगन्स की कप्तानी कर रहे अश्विन को एक विवादित फैसले के बाद मैदान पर अपने भावनाओं पर काबू न रख पाने की वजह से सजा सुनाई गई है. ये घटना आईडीम तिरुप्पुर तमिजियंस के खिलाफ खेले गए एक मुकाबले के दौरान घटी थी.

महिला अंपायर से भिड़ना अश्विन को पड़ा भारी

मामला तब शुरू हुआ जब अश्विन को पांचवें ओवर में आईडीम तिरुपुर तमिजहंस के खिलाफ एक एलबीडब्ल्यू निर्णय के तहत आउट करार दिया गया. यह फैसला बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर की गेंद पर हुआ, जब अश्विन ने एक स्वीप शॉट खेलने की कोशिश की लेकिन गेंद उनके पैड से टकरा गई. अंपायर ने इसे आउट माना, हालांकि रिप्ले में साफ दिखा कि गेंद लेग स्टंप के बाहर पिच हुई थी, जो एलबीडब्ल्यू के लिए वैलिड नहीं मानी जाती. वहीं, अश्विन

की टीम ने पहले ही दोनों डीआरएस रिव्यू गंवा दिये थे, जिससे वे इस फैसले को चुनौती नहीं दे सके. अंपायर के फैसले से नाराज अश्विन ने तुरंत मैदान पर आपत्ति जताई और अंपायर के साथ बहस शुरू कर दी।.उनकी नाराजगी इतनी बढ़ गई कि वे अपने पैड पर बल्ले से जोरदार प्रहार करने लगे और डगआउट पहुंचकर अपने ग्लव्स को नाराजगी में फेंक दिया. यह दृश्य स्टेडियम में मौजूद फैंस और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया. अश्विन की यह प्रतिक्रिया उनके लंबे करियर में दुर्लभ मानी जा रही है, जहां वे आमतौर पर शांत और रणनीतिक खिलाड़ी के रूप में जाने जाते हैं.

अश्विन पर लगाया गया जुर्माना

मैच के बाद आयोजित एक सुनवाई में मैच रेफरी ने अश्विन के व्यवहार की जांच की. उन्हें 10 फीसदी मैच फीस का जुर्माना अंपायर के फैसले पर आपत्ति जताने और 20 फीसदी जुर्माना क्रिकेट उपकरणों के दुरुपयोग के लिए लगाया गया. कुल मिलाकर 30 फीसदी की कटौती ने यह साफ कर दिया कि लीग में अनुशासन को लेकर सख्ती बरती जा रही है. टीएनपीएल के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया, 'मैच के बाद मैच रेफरी ने सुनवाई की. अंपायरों के प्रति असहमति दिखाने के लिए अश्विन पर 10 प्रतिशत और उपकरणों के दुरुपयोग के लिए 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया. उन्होंने जुर्माना स्वीकार कर लिया है.'

पहली बार टेस्ट फॉर्मेट में भारत की कप्तानी संभालेंगे शुभमन

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सितारे शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड दौरा बेहद खास होने जा रहा है. इस बार वे न केवल बल्लेबाजी से टीम का नेतृत्व करेंगे, बल्कि पहली बार टेस्ट फॉर्मेट में भारत की कप्तानी की कमान भी संभालेंगे. यह जिम्मेदारी उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है. इससे पहले इंग्लैंड की धरती पर गिल ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभाव छोड़ा है, और अब उनकी नजरें कप्तान के तौर पर भी अपनी छाप छोड़ने पर हैं. खास बात यह है कि गिल इंग्लैंड की एक टीम के लिए भी खेल चुके हैं, जिसके बारे में

काफी कम फैंस जानते हैं.

दरअसल, साल 2022 में शुभमन गिल ने इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट टीम ग्लेमोर्गन के लिए खेला था. ये पहला मौका था जब गिल काउंटी चैंपियनशिप में खेलने उतरे थे. इस दौरान उन्होंने 3 फर्स्ट क्लास मैचों में हिस्सा लिया और अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा. गिल ने 61 के शानदार औसत से 244 रन बनाए, जिसमें उनकी तकनीकी मजबूती और अनुकूलन क्षमता साफ दिखी थी. इंग्लैंड की पिचों पर स्विंग और उछाल भरी परिस्थितियों में उनके प्रदर्शन ने यह संकेत दिया कि वे भविष्य में इस चुनौतीपूर्ण मैदान पर बड़ी भूमिका निभा सकते हैं. यह अनुभव उनके लिए इस बार के टेस्ट दौरे की तैयारी में अहम साबित होगा. हालांकि, इंटरनेशनल क्रिकेट में गिल के आंकड़ें इंग्लैंड में कुछ खास नहीं हैं. वह भारत के लिए 3 टेस्ट मैच खेलते हुए इंग्लैंड में 14.66 की औसत से 88 रन ही बना सके हैं. ऐसे में गिल की नजर इस बार अपने इन आंकड़ों को सुधारने पर रहने वाली है.शुभमन गिल को टेस्ट कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपना भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का एक बड़ा कदम है. यह फैसला तब लिया गया, जब सीनियर खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया. ऐसे में अब गिल की कप्तानी में भारतीय टीम में कई युवा खिलाड़ियों को मौका मिलेगा.

गायकवाड़ को नहीं मिला टेस्ट टीम में मौका

नई दिल्ली. घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने वाले ऋतुराज गायकवाड़ को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। हालांकि उन्होंने इंग्लैंड की उड़ान भरने की तैयारी कर ली है। भारतीय टीम 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज करेगी और ऋतुराज गायकवाड़ 22 जुलाई से इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में खेलते दिखेंगे। उन्होंने यॉर्कशायर ने काउंटी चैंपियनशिप में पूरे सीजन के लिए साइन किया है। गायकवाड़ आईपीएल 2025 के बीच में चोट की वजह से हट गए थे और टीम प्लेऑफ की रेस से न सिर्फ सबसे पहले बाहर हुई बल्कि आखिरी स्थान पर भी रही। हालांकि उनके घरेलू प्रदर्शन को देखते हुए इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट टीम में चुने जाने की उम्मीद थी लेकिन उनका सेलेक्शन नहीं हुआ।

अब इस उभरते सितारे को इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में खेलने का मौका मिला है। 10 जून 2025 को यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने घोषणा की कि 28 वर्षीय भारतीय सलामी बल्लेबाज को 2025 सीजन के लिए विदेशी खिलाड़ी के रूप में साइन किया गया है। गायकवाड़ 22 जुलाई से सीजन के अंत तक यॉर्कशायर के लिए काउंटी चैंपियनशिप और मेट्रो बैंक वन-डे कप में खेलेंगे। ऋतुराज गायकवाड़ ने अपने शानदार घरेलू और आईपीएल प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा था। उन्होंने 2016-17 रणजी ट्रॉफी में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू किया और तब से महाराष्ट्र टीम की कप्तानी कर रहे हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका औसत 41.77 है, जिसमें सात शतक शामिल हैं,

जबकि लिस्ट-ए क्रिकेट में 56.15 का औसत और 16 शतक उनकी क्षमता दर्शाती है। साल 2021 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 635 रन बनाकर गायकवाड़ ने खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनकी कप्तानी में ही भारत ने एशियन गेम्स का गोल्ड मेडल जीता था। आगे चलकर उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स का कप्तान भी बनाया गया लेकिन वह सीजन के आधे में ही चोटिल हो गए। अब ऋतुराज गायकवाड़ के पास इंग्लैंड के कंडिशन में रनों का अंबार लगाकर उन चयनकर्ताओं का ध्यान खिचने का शानदार मौका है, जिनको लगता है कि वह अभी भारतीय टेस्ट टीम में जगह बनाने के हकदार नहीं है।

प्रो कबड्डी लीग में अब तक 8 टीमें जीत चुकी हैं खिताब

4 टीमें अब भी खिताब से दूर

नई दिल्ली. प्रो कबड्डी लीग की शुरुआत साल 2014 में हुई थी। अब तक 11 सीजन आयोजित हो चुके हैं और 8 टीमें चैंपियन बनी हैं। शुरुआत से ही इस खेल और लीग ने फैंस को आकर्षित किया और एक समय आईपीएल के बाद सबसे ज्यादा देखी जाने वाली लीग बन गई। 8 टीमों के साथ शुरू हुई इस लीग में अब 12 टीमें खेलती हैं लेकिन 4 ऐसी टीमें अभी भी हैं, जो खिताब नहीं जीत पाई हैं। साल 2014 से 2024 तक, 11 सीजन में आठ अलग-अलग टीमें चैंपियन बनीं, जिनमें से पटना पाइरेट्स ने 3 बार और जयपुर पिंक पैंथर्स ने 2 बार खिताब जीता।

प्रो कबड्डी 2014 – 2015 की चैंपियन

पीकेएल का पहला सीजन 26 जुलाई 2014 को शुरू हुआ, जिसमें आठ टीमों ने हिस्सा लिया। जयपुर पिंक पैंथर्स ने मनिंदर सिंह की

अगुआई में शानदार प्रदर्शन किया। मनिंदर ने अकेले 137 रेड पॉइंट्स हासिल किए और फाइनल में यू मुम्बा को 35-24 से हराकर खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अगले सीजन अनूप कुमार की कप्तानी में यू मुम्बा ने धमाकेदार वापसी की और बेंगलुरु बुल्स को फाइनल में हराकर पहला खिताब जीता।

प्रो कबड्डी में पटना की हैट्रिक

पहले दो सीजन खिताब से चूकने वाले पटना पाइरेट्स 2016 में दो सीजन (सीजन 3 और 4) का खिताब जीतकर इतिहास रचा। प्रदीप नरवाल की रेडिंग और फज़ल अत्राचली ने डिफेंस में टीम को ताकत दी। सीजन 3 में यू मुम्बा को 31-28 और सीजन 4 में जयपुर पिंक पैंथर्स को 37-29 से हराया गया। 2017 पटना ने गुजरात जायंट्स को 55-38 से हराकर लगातार तीसरा खिताब जीता, जिसमें प्रदीप का 369 रेड पॉइंट्स का रिकॉर्ड शामिल था।

बुल्स और वॉरियर्स की जीत

साल 2018 में बेंगलुरु बुल्स ने पवन सहरावत के 282 पॉइंट्स की मदद से पूरे सीजन दबदबा बनाए खा और फाइनल में गुजरात जायंट्स को हराकर पहला खिताब जीता। 2019 में बंगाल वॉरियर्स ने मनींदर सिंह के 205 पॉइंट्स की मदद से फाइनल में दबंग दिल्ली को 39-34 से हराकर खिताब अपने नाम किया। दोनों टीमों की पहली खिताबी जीत रही। इन दोनों सीजन में दमदार प्रदर्शन कर रही दबंग दिल्ली की 2021 में किस्मत चमकी और उन्होंने बुल्स को हराकर पहला खिताब जीता।

जयपुर ने जीता दूसरा खिताब

2022 में जयपुर की वापसी हुई और वे फिर से चैंपियन बने। जयपुर पिंक पैंथर्स ने अर्जुन देशवाल के 296 रेड पॉइंट्स और अंकुश के 89 टैकल पॉइंट्स के दम पर पुणेरी पलटन को 33-29 से हराकर दूसरा खिताब जीता। हालांकि अगले सीजन पुनेरी पलटन सब पर भारी रही और उन्होंने हरियाणा स्टीलर्स को हराकर खिताब जीता। 2024 में हरियाणा स्टीलर्स फिर फाइनल में पहुंची और उन्होंने पटना पाइरेट्स को हराकर खिताब जीता।

खिताब से दूर ये 4 टीमें

तेगुलु टाइटंस, तमिल थलाइवाज, यूपी योद्धा और गुजरात जायंट्स अब तक खिताब से दूर रही हैं। इसमें से तेलुगु टाइटंस, यूपी योद्धा और तमिल थलाइवाज अब तक फाइनल में भी नहीं पहुंची हैं तो गुजरात की टीम 2 बार फाइनल खेल चुकी है।

सांप्रदायिकता की आड़ में वोट बटोर रही बीजेपी

> संजय सिंह का बड़ा आरोप

नई दिल्ली.

आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी को और मजबूत करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है. पार्टी के सीनियर नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को एक प्रेस काफ्रेंस में कई अहम मुद्दों पर बात की. उन्होंने बताया कि आप लखनऊ, प्रयागराज, मेरठ और फिरोजाबाद जैसे शहरों में कार्यकर्ताओं के साथ सम्मेलन आयोजित करने जा रही है. बाराबंकी में अयोध्या प्रांत का सम्मेलन हो रहा है, जिसमें कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी विस्तार की रणनीति पर चर्चा की जाएगी. संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर भी जमकर निशाना

साधा. उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने जिला पंचायत और ब्लॉक प्रमुख के चुनाव जनता द्वारा कराने की बात कही थी. अगर ऐसा होता है तो आप इसका स्वागत करेगी. हालांकि उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल भी उठाए.

संजय सिंह ने बदायूं के जिला अस्पताल में कई नवजात बच्चों की मौत का मामला उठाया. उन्होंने कहा कि अस्पताल में मशीनें तो हैं, लेकिन उन्हें चलाने वाला कोई नहीं है. इस लापरवाही के लिए उन्होंने योगी सरकार को जिम्मेदार ठहराया. इसके अलावा उन्होंने सुल्तानपुर में गरीबों के घर बिना नोटिस तोड़े जाने का मुद्दा भी उठाया. उन्होंने कहा कि 'हम इस मामले को हाईकोर्ट तक ले जाएंगे और गरीबों को न्याय दिलाएं.

आप का फोकस: जनता की आवाज को सशक्त करना

आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश में अपनी जड़ें मजबूत करने के लिए लगातार मेहनत कर रही है. पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और जनता के मुद्दों को उठाने पर जोर दे रही है. संजय सिंह ने कहा कि 'हम जनता की आवाज बनकर उनकी लड़ाई लड़ेंगे और उत्तर प्रदेश में बदलाव लाएंगे.'

बर्बादी और मौतें रोक लो

डोनाल्ड ट्रंप ने की बेंजामिन नेतन्याहू से अपील

जेरुसलेम. इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बात की है। उन्होंने 40 मिनट तक नेतन्याहू से कॉल पर बात की और साफ कहा कि हम ईरान के साथ परमाणु डील करना चाहते हैं। ऐसे में जब तक कोई डील नहीं हो जाती, तब तक के लिए बर्बादी और मौतें रोक दो। ट्रंप के साथ लंबी वार्ता के बाद नेतन्याहू ने एक हाई लेवल मीटिंग भी बुलाई। पीएम ऑफिस से मिली जानकारी के अनुसार ट्रंप के साथ नेतन्याहू की वार्ता में ईरान से परमाणु डील की ही चर्चा हुई। ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा कि हमने ईरान के आगे प्रस्ताव रखा है। ईरान की तरफ से आने वाले कुछ दिनों में ही इस बारे में कोई जवाब मिल जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा कि हम इस सप्ताह के अंत तक ही ईरान के साथ दूसरे राउंड की वार्ता करने लगेंगे। हालांकि यह जानकारी नहीं मिल सकी है कि नेतन्याहू ने ट्रंप की अपील पर क्या जवाब दिया।

इजरायल का कहना है कि हमने इस जहाज को सीज कर लिया है क्योंकि वह बिना मंजूरी के गाजा में

ग्रेटा थनबर्ग को इजरायल ने हिरासत में लेकर वापस भेजा

जेरुसलेम.

ऐक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग को इजरायल से वापस भेजा जा रहा है। इजरायल के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसके अलावा मिनिस्ट्री का कहना है कि गाजा जाने वाले जहाज को सीज भी कर लिया गया है। इसी जहाज पर ग्रेटा थनबर्ग सवार थीं। उनके साथ कुछ और ऐक्टिविस्ट थे और गाजा के लिए राहत सामग्री भी थी। इसके अलावा इजरायली विदेश मंत्रालय ने एक प्लेन की तस्वीर भी साझा की है। मंत्रालय का कहना है कि इसी प्लेन पर सवार होकर ग्रेटा थनबर्ग फ्रांस जा रही हैं। गाजा में लोगों के लिए मदद से लदे हुए जहाज में सवार होकर ग्रेटा थनबर्ग आई थीं। उस जहाज में थनबर्ग के अलावा 12 यात्री और सवार थे।

जा रहा है। इजरायल का कहना है कि किसी भी जहाज को यह अनुमति नहीं है कि वह गाजा की सीमा में प्रवेश करे। स्वीडन की ऐक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग का अब फ्रांस के लिए रवाना हो गई हैं।

उन्हें इजरायली प्रशासन ने हिरासत में ले लिया और फिर तेल अवीव स्थित एयरपोर्ट ले जाया गया। थनबर्ग को तेल अवीव से डिपोर्ट कर दिया गया है। अब खबर है कि वह फ्रांस के लिए रवाना हुई हैं। इसके अलावा उस जहाज को सीज कर लिया गया है, जिसमें सवार होकर वह आई थीं।

इस बीच इजरायल ने सोमवार को गाजा में फिर से ऐक्शन लिया है। उसके इस ऐक्शन में लोगों की मौत हो गई है। इजरायल के हमले में 14 लोग अमेरिका की मदद से चलने वाले गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन से भी जुड़े थे। यह सहायता केंद्र दक्षिणी राफा में चलता है। बता दें कि इजरायल ने पहले ही ग्रेटा थनबर्ग को चेतावनी दी थी और कहा था कि यदि वह आती हैं तो फिर हम भी कुछ करने के लिए स्वतंत्र हैं। इजरायल लगातार यह कहता रहा है कि गाजा को मदद करना एक तरह से हमास की ताकत में इजाफा करना है। ग्रेटा थनबर्ग मदलीन नाम के जहाज पर सवार होकर आई थीं। इस जहाज में अल जजीरा के एक पत्रकार उमर फयाद भी सवार थे। ग्रेटा समेत सभी 12 लोगों को इजरायल ने डिपोर्ट किया है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग युवाओं को बना रही शूटर

लखनऊ.

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का गैंग यूपी में तेजी से सक्रिय होती जा रही है। राजस्थान, एमपी और दिल्ली से करीब आगरा में दूसरी बार बाह क्षेत्र से उसके शूटर पकड़े गए हैं। बेरोजगारी और जल्द कमाई के लालच में कई युवा लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ रहे हैं। ताजा मामला श्रीगंगानगर (राजस्थान) का है, जहां कारोबारी पर फायरिंग करने के बदले बाह निवासी प्रदीप उर्फ गोलू पंडित को पिस्टल और एक लाख रुपये दिए गए थे। गैंग से जुड़ी जानकारी ने पुलिस को चौंका दिया है। लॉरेंस गैंग रंगदारी वसूलता है, धमकी देता है, फायरिंग कराता है और हत्या तक करवा देता है। सैकड़ों की संख्या में उसके शूटर हैं, जो निर्देश मिलते ही खुलेआम गोलियां चलाते हैं। आगरा में यह पहला मामला नहीं है, इसके पहले भी तीन शूटर पकड़े गए थे, और वे भी बाह क्षेत्र से ही थे।

31 जनवरी 2023 को जैतपुर थाना क्षेत्र से जयप्रकाश उर्फ जेपी (एमपी कॉलोनी, बीकानेर), ऋषभ उर्फ यशचंद्र रजवार (रामपुरा बस्ती, बीकानेर), प्रदीप शुक्ला उर्फ बाबा शुक्ला (डिफेंस कॉलोनी, बाह), और भूपेंद्र गुर्जर उर्फ थापा (बड़ा गांव, बाह) को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। आरोपियों ने जयपुर में एक होटल

कारोबारी पर गोलियां चलाई थीं। उससे भी रंगदारी मांगी गई थी।

ताजा मामले में गिरफ्तार गोलू पंडित से पूछताछ में खुलासा हुआ कि गैंग हाईटेक तरीके से काम करता है। शूटरों को मैसेज के जरिए निर्देश दिए जाते हैं। किस होटल में रुकना है, कहां से कैश और हथियार मिलेगा- यह सब पहले से तय होता है। टारगेट मिलने के बाद फायरिंग की जाती है। साथ ही यह भी आश्वासन दिया जाता है कि अगर वे मौके पर फंस जाएं तो गैंग उन्हें सुरक्षित निकाल लेगा।

पूर्व में बाह क्षेत्र के युवाओं ने साइबर क्राइम में भी हाथ आजमाया था। पुलिस कार्रवाई के बाद कुछ ने यह छोड़ दिया, लेकिन अब वे गैंगस्टरों के संपर्क में आकर शूटर बन रहे हैं। पुलिस के लिए यह गंभीर चिंता का विषय बन गया है। डीसीपी पूर्वी सैयद अली अब्बास ने बताया कि बाह क्षेत्र में ग्रामीण संवाद कार्यक्रम के दौरान युवाओं की गतिविधियों पर चर्चा की जाएगी। अभिभावकों को जागरूक किया जाएगा कि वे अपने बेटों पर कैसे नजर रखें।

पत्नी की बेवफाई और पुलिस का टॉर्चर!

कम पड़ गए 5000 तो मौत को लगाया गले

कानपुर.

घूस के लिए पुलिस की प्रताड़ना से परेशान युवक ने मौत को गले लगाना सही समझा और घर में फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. मृतक की पहचान जीतू निशाद के रूप में हुई है. दरअसल, विवाद पति-पत्नी के झगड़े का था. इसे सुलझाने के लिए पुलिस ने पहले युवक को कई बार ले जाकर पीटा, फिर उससे घूस के रूप में मोटी रकम की डिमांड की. पुलिस को घूस देने के लिए युवक ने घर में रखा गेहूं तक बेच डाला. इसके बावजूद पूरा पैसा नहीं जुटा सका. पुलिस भी पैसे की जिद पर अड़ी रही. इस जिद के आगे युवक हार गया और 5000 रुपए न जुटा पाने व पत्नी की बेवफाई से टूट कर आत्महत्या कर ली.

मौत को गले लगाने की कहानी की शुरुआत तीन महीने पहले शुरू हुई थी. सजेती थाने में पुलिस को एक शिकायत मिली कि पति-पत्नी के बीच झगड़ा हो गया है. दरअसल, विवाद के बाद पत्नी सुमन ने पति के खिलाफ शिकायत की थी. इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस युवक को अपने साथ ले गई. थाने में उसे जमकर पीटा और फिर छोड़ दिया गया.

मृतक जीतू निशाद सजेती थाना क्षेत्र के तहत आने वाले कोटरा गांव का रहने वाला था. वो गुजरात के सूरत में नौकरी करता था. 3 महीने पहले वो पत्नी और तीन बेटियों के साथ गांव आया था.

4 जून को उसकी पत्नी सुमन से विवाद हुआ. विवाद की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने पत्नी की ओर से शिकायत लेकर जीतू को चौकी ले गई. बताया गया कि पुलिस ने सुमन के पिता के कहने पर जीतू को भला-बुरा कहा और बाद में समझौता करा दिया. पत्नी सुमन के पिता ग्राम प्रधान हैं.समझौते के बाद नाराज पत्नी सुमन अपने बच्चों को लेकर बीरबल अकबरपुर अपने मायके चली गई. चार दिन बाद 8 जून को जीतू पत्नी को लेने के लिए अपने ससुराल पहुंचा. जीतू के पिता रमेश ने बताया कि इससे पहले 6 जून को भी जीतू अपनी पत्नी को लेने गया था, लेकिन उसने आने से इनकार कर दिया था.

9 जून को भी सुमन ने जीतू के साथ जाने की बात से इनकार करते हुए एक बार फिर पुलिस को बुला लिया. पुलिस आई और गांव के प्रधान सुमन के पिता के दबाव में जीतू को कोटरा की अस्थाई चौकी ले गई. वहां पहले मुकदमा दर्ज किया.

फिर जमकर मारा-पीटा. आखिर में जब पिता जब अपने बेटे जीतू को लेने के लिए चौकी पहुंचे तो उसे छोड़ने की एवज में उनसे 50,000 रुपये की घूस मांगी गई.

घी के डिब्बे के अंदर 10 ग्रेनेड, मोजे-दस्ताने और दवाइयां

> मिला आतंकियों का ठिकाना

श्रीनगर.

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सेना को बड़ी सफलता मिली है. आतंकी गतिविधि के इनपुट पर 61-आरआर (राष्ट्रीय राइफल्स) ने राजौरी के थानमंडी गांव में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था. इस दौरान एक आतंकी ठिकाना मिला, जहां से ग्रेनेड, कई बैटरी, खाने-पीने की चीजें और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है.आतंकी ठिकाने से 10 यूबीजीएल ग्रेनेड बरामद हुए हैं, जो कि एक बड़े घी के डिब्बे के अंदर छिपाए गए थे. फोटो फिल्म निगेटिव का 1 पैकेट मिला है. इसके साथ ही 50 छोटी बैटरियां, 10 टॉर्च की बैटरियां, 3 चम्मच, 1 टूथब्रश, 2 कंघी, 1 प्लास्टिक का तिरपाल, 1 कंबल, प्लास्टिक का 1 कैन, लोहे का 1 फेविकोल कैन और टूटा हुआ गोला-बारूद का 1 डिब्बा मिला है.इसके साथ ही पुराने दस्ताने और मोजे, 2 पेन, 2 पैकेट दवाइयां, बिस्किट के रैपर, कागज का सामान और अन्य सामान मिला है. इस बरामदगी से पता चलता है कि इस क्षेत्र का इस्तेमाल पहले आतंकवादी गतिविधियों के लिए किया गया होगा. साइट को सील कर दिया गया है और आगे की जांच चल रही है. सुरक्षा बलों द्वारा किसी भी अन्य सुराग का पता लगाने के लिए आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान जारी रखने की संभावना है. अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार से तस्करी कर भारी मात्रा में लाए गए नशीले पदार्थों की बरामदगी के बाद 2022 में एसआईए जम्मू ने मामला दर्ज किया था. प्रतिबंधित पदार्थ को बेचकर जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों के लिए किया गया था.

महाकुंभ भगदड़ से जुड़ी रिपोर्ट पर कांग्रेस का सवाल

नई दिल्ली.

कुंभ में भगदड़ में लोगों की मौत पर एक मीडिया रिपोर्ट ने अपनी पड़ताल में बड़ा दावा किया है. इसमें कहा गया है कि भगदड़ में कम से कम 82 लोग मारे गए. इस रिपोर्ट पर कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा है. कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक पोस्ट में कहा कि कुंभ में मौत के आंकड़ों पर एक रिपोर्ट आई है. मैंने ये रिपोर्टें देखी है. उस भगदड़ के बाद मुख्यमंत्री काफी समय तक गायब हो गए थे. सुप्रिया श्रीनेत ने आगे कहा, सरकार ने बताया था कि 37 लोगों की मौत हुई है लेकिन एक रिपोर्ट के अनुसार 82 लोगों की मौत हो गई है. ये रिपोर्ट तथ्यों के आधार पर तैयार की गई है. कुछ लोगों

को पैसे देकर ये बताया गया कि उनके परिजनों की मौत किसी और वजह से हुई है. भगदड़ में नहीं हुई है. क्या सरकार अब इस रिपोर्ट पर जवाब देगी?

कुंभ में भगदड़ मामले के साथ ही कांग्रेस नेता ने विदेश नीति और भारतीयों के साथ अमेरिका के व्यवहार को लेकर भी सरकार को घेरा है. उन्होंने कहा है कि एक वीडियो देखकर मन व्यथित होता है. भारत के एक नागरिक के साथ बर्बरता हो रही है. उसको जमीन पर पटका जा रहा है. हथकड़ी पहनाई जा रही है. न्यूयार्क का मामला है, जहां इस छात्र को इस तरह से बर्बरता के साथ हथकड़ी पहनाकर डिपोर्ट कर दिया गया.

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, केंद्र सरकार 11 साल की सफलता गिना रही है. सरकार अपनी विफलता खुद तो नहीं बताएगी. रूस के मुंह से कुछ सुना हमारे लिए एक भी बार. चीन हमारे खिलाफ लगातार तैयारी कर रहा है. ये है हमारी विदेश नीति. हमारे छात्रों को हथकड़ी पहनाकर डिपोर्ट किया जा रहा है. ये है हमारी विदेश नीति.

ऑस्ट्रिया के स्कूल में अंधाधुंध गोलीबारी, 10 लोगों की मौत

विएना. ऑस्ट्रिया के दूसरे सबसे बड़े शहर ग्राज में मंगलवार को भयानक गोलीबारी हुई। बीओआरजी ड्राइर्शुट्जेंगासे हाई स्कूल में फायरिंग की चपेट में आने से 10 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस के अनुसार, सुबह 10 बजे स्कूल में गोलीबारी की सूचना मिली और तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी गई। ऑस्ट्रियाई गृह मंत्रालय ने पुष्टि की कि इस घटना में कई लोग मारे गए हैं, लेकिन मृतकों की सटीक संख्या अभी स्पष्ट नहीं की गई है। हालांकि, स्थानीय मीडिया में बताया गया कि 10 लोगों की मौत हुई है, जिनमें छात्र और शिक्षक शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध हमलावर संभवतः स्कूल का ही एक छात्र था, उसने हमले के बाद आत्महत्या कर ली। ग्राज की मेयर एल्के कहर ने भी इस बात की पुष्टि की कि हमलावर मृतकों में शामिल है। घटना के बाद स्कूल को खाली करा लिया गया और सभी छात्रों व कर्मचारियों को पास के एएसकेओ स्टेडियम में सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि स्थिति अब नियंत्रण में है और कोई और खतरा नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना में कई लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को नजदीकी हेल्मुट लिस्ट हॉल में आपातकालीन उपचार के लिए ले जाया गया।

आदिवासी इलाकों के लिए सड़कें...

सीएम मोहन यादव कैबिनेट के अहम फैसले

भोपाल.

मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार ने 10 जून को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए. सरकार ने आदिवासियों के विकास के लिए मजरा-टोला सड़क योजना, तुअरदाल उत्पादकों को मंडी टैक्स से छूट देने का फैसला किया है. कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने पर भी बधाई दी. प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया. कैबिनेट मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि वर्षा काल की पूर्व तैयारी के मद्देनजर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी मंत्रियों को निर्देशित किया है कि आगामी वर्षा ऋतु के लिए अपने-अपने क्षेत्रों और विभागों में आवश्यक तैयारियां पहले से सुनिश्चित करें. नगरीय निकायों को नाले एवं जल निकासी की सफाई तथा ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों और जल स्रोतों के कैचमेंट एरिया की सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया है. कैबिनेट मंत्री ने बताया कि आदिवासियों के लिए सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है. "मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना" को कैबिनेट की सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गई है. यह योजना आदिवासी और दूरस्थ छोटे-छोटे गांवों (फली-मजरे-टोले) को मुख्य सड़कों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रारंभ की जा रही है. योजना के तहत 30,900 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया जाएगा. इस पर अनुमानित 21,630 करोड़ रुपये खर्च होंगे.

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि आदिवासियों के लिए सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है. "मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना" को कैबिनेट की सैद्धांतिक स्वीकृति मिल गई है. यह योजना आदिवासी और दूरस्थ छोटे-छोटे गांवों (फली-मजरे-टोले) को मुख्य सड़कों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रारंभ की जा रही है. योजना के तहत 30,900 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया जाएगा. इस पर अनुमानित 21,630 करोड़ रुपये खर्च होंगे.

ममता सरकार पर भड़के सुवेंदु

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर हुई चर्चा

ढाका.

पश्चिम बंगाल विधानसभा में मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक खास चर्चा हुई थी. इस दौरान भारतीय सेना की बहादुरी और उनके द्वारा पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर किए गए सटीक हमलों की तारीफ की गई थी. लेकिन प्रस्ताव में 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम न होने पर बीजेपी ने इस पर कड़ा एतराज जताया. विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने विधानसभा स्पीकर बिमान बंदोपाध्याय से अपील की कि प्रस्ताव में 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम जरूर जोड़ा जाए. उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन भारतीय सेना की वीरता का प्रतीक है और इसका नाम न शामिल करना सेना का अपमान है. सुवेंदु ने कहा कि 'हमारी सेना ने आतंकवाद

के खिलाफ जो साहस दिखाया, उसे सही नाम के साथ सम्मान देना चाहिए.'

इस चर्चा के दौरान बीजेपी विधायक असीम सरकार ने अनोखे अंदाज में अपनी बात रखी. उन्होंने विधानसभा में भारतीय सेना के सम्मान में एक गीत गाया, जिसने सभी का ध्यान खींचा. असीम सरकार ने कहा 'हमारी सेना ने देश की शान बढ़ाई है. ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि देश की एकता और ताकत का भी प्रतीक है.'प्रस्ताव में भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के कोऑर्डिनेशन की तारीफ की गई. इसमें 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा गया कि सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया. प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर के लोगों की एकता और सहनशक्ति की भी सराहना की गई. लेकिन बीजेपी का कहना है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम न लिखना ममता सरकार की उदासीनता को दर्शाता है.

ड्राफ्ट बनाने वालों को बेसिक जानकारी भी नहीं : शंकर घोष

बीजेपी के नेता शंकर घोष ने कहा कि 'प्रस्ताव तैयार करने वालों को सेना के ऑपरेशनों की जानकारी नहीं है. ऑपरेशन सिंदूर का नाम ड्राफ्ट में न शामिल करना यह दिखाता है कि इसे बनाने वालों को देश में क्या हो रहा है यह भी नहीं मालूम था.' दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया.